http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 36

प्रयागराज सोमवार 21 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

'सफेद पाउडर' देख चौंकी एनआईए

● एनएसजी और एफएसएल की टीम, कहीं आतंकी साजिश तो नहीं!

नई दिल्ली,(एजेंसी)। रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में रविवार सुबह सीआरपीएफ स्कूल की दीवार से धमाके की आवाज सुनाई दी। धमाके के बाद दीवार में दरार पड़ गई। धमाके के बाद धुएं का गुबार भी दिखाई दिया। मौके पर एनआईए, एनएसजी और एफएसएल की टीम पहुंची। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, घटनास्थल से सफेद पाउडर मिला है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि धमाका किस प्रकार का था और इसका स्रोत क्या है। विस्फोटक अधीनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में गृह मंत्रालय ने विस्फोटक की रिपोर्ट मांगी है। केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए की टीम शुरुआती तफ्तीश करने और सबूतों से जुड़े इनपुट इकठ्ठा करने मौके पर पहुंची है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा इस मामले में तफ्तीश का जिम्मा कुछ दिनों के बाद जांच एजेंसी एनआईए को भी सौंपा जा सकता है। फिलहाल स्पेशल सेल और रोहिणी जिला पुलिस के द्वारा इस मामले की तफ्तीश की रिपोर्ट के बाद मंगलवार तक इस मामले में लिया जा सकता है। तफ्तीश संबंधित आगे का फैसला आतंकी साजिश या कोई बड़े वारदात की संभावना के मद्देनजर ही लिया जा सकता है। एनआईए को केस ट्रांसफर किया जाएगा। किसी भी बड़े अपराधिक वारदातध्आतंकी घटना या संदिग्ध बम विस्फोटक से संबंधित इनपुट्स की जानकारी मिलने के बाद शुरुआती तफ्तीश के लिए एनआईए को पहुंचना ये एक एसओपी यानी प्रोटोकॉल का हिस्सा होता है। मौके पर क्राइम टीम, एफएसएल टीम और बम निरोधक दस्ता पहुंचा। धटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई है। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर है। विस्फोट के कारणों पर गौर किया जा रहा है। स्पेशल सेल के सूत्र के मुताबिक मौके पर स्पेशल सेल की टीम भी मौजूद है। आसपास कई सीसीटीवी के फुटेज को खंगालने में जुटी है। रोहिणी जिला के डीसीपी समेत अन्य अधिकारियों द्वारा ये सख्त निर्देश दिया गया है।

पीएम ने दिवाली से पहले दिया तोहफा

● आरजे शंकरा अस्पताल का पीएम ने किया उद्घाटन, सिगरा स्टेडियम में जुटने लगे लोग

● मोदी काशी पहुंचे, शंकराचार्य से मुलाकात की: आई हॉस्पिटल का इनॉगरेशन किया, फूल, ढोल-नगाड़ों से स्वागत, कांग्रेस ऑफिस में फोर्स तैनात

काशी,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी रविवार को वाराणसी दौरे पर पहुंच गए है। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही उनका ढोल नगाड़े के साथ भव्य स्वागत किया गया। पीएम पर फूलों से बारिश की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाबतपुर एयरपोर्ट से आरजे आई अस्पताल के लिए रवाना हो गए है। उनके साथ सुरक्षा में तैनात फोर्स भी लगी रही। इसके पहले कार्यक्रम स्थल पर सीएम योगी सहित अन्य दिग्गज नेता पहुंच गए हैं। पीएम से मिलने जा रहे कांग्रेसी नेताओं को पुलिस ने रोका प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए जा रहे कांग्रेसी नेताओं को पुलिस ने रोक दिया। इस दौरान मौजूद पुलिस अफसरों को कांग्रेस के लोगों ने ज्ञापन दिया। उनका कहना था कि वे काशी की मूलभूत मुद्दों को बताना चाह रहे थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रशासन ने मिलने नहीं दिया। प्रशासन ने कांग्रेस कार्यालय को छावनी में तब्दील कर दिया है। 5 हजार पुलिसकर्मी सुरक्षा में तैनात पीएम मोदी की सुरक्षा का घेरा मल्टी लेयर होगा। उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जाएगी। सुरक्षा में एसपीजी, एटीएस समेत 5000 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। वीआईपी रूट पर रूफ टॉप फोर्स, ड्रोन सर्विलांस से निगरानी की जाएगी। माहौल बिगाड़ने वालों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। इस दौरान यातायात के सुचारू संचालन के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जा रहे हैं। 23 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे मोदी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को वाराणसी का दौरा करेंगे और 6611.18 करोड़ रुपये की लागत वाली कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। काशी अपने सांसद के भव्य स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है। मोदी वाराणसी से तीसरी बार सांसद चुने गए। प्रधानमंत्री मोदी 6,611.18 करोड़ रुपये की लागत वाली 23 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। मोदी स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, खेल, धर्म, पर्यटन, रोजगार, आवास और विमानन से जुड़ी कई सार्वजनिक सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रमुख परियोजनाओं में मोदी वाराणसी एयरपोर्ट के विस्तार और नए टर्मिनल के निर्माण की आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा वह आरजे शंकर नेत्र चिकित्सालय का उद्घाटन करेंगे और सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम में 20,000 से अधिक लोगों को संबोधित करेंगे।आम जनता को सेफ जर्नी उपलब्ध कराना ही हमारी जिम्मेदारी पीएम की अगवानी करने आए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार सड़क बनाने में पूरे देश में नंबर वन पर चल रही है।

कैप्टन अजय यादव ने कांग्रेस से इस्तीफा वापस लिया

चंडीगढ़,(एजेंसी)। तीन दिन पूर्व कांग्रेस से इस्तीफा देने की घोषणा करने वाले हरियाणा के पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने अपना इस्तीफा वापस लेते हुए कहा कि वह जन्म से कांग्रेसी हैं और अंतिम सांस तक कांग्रेसी रहेंगे। कांग्रेस के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा नेता के बेटे चिरंजीव ने हाल में सम्पन्न विधानसभा चुनाव में कॉंग्रेस के टिकट पर रेवाड़ी से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। दस साल बाद सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही कॉंग्रेस को 90-सदस्यीय विधानसभा में 37 सीटें ही मिल पाईं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 48 सीटें जीतकर तीसरी बार सरकार बनाई। कैप्टन यादव ने तीन दिन पूर्व पार्टी में उपेक्षा की शिकायत करते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता समेत सभी पदों से इस्तीफे की घोषणा की थी। कल रात हालांकि

उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि वह दुखी थे कि आला कमान ने ओबीसी विभाग के लिए किए उनके कार्य की कदर नहीं की और विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद बोले गए कड़वे शब्दों के कारण उन्होंने यह कदम उठाया लेकिन बाद में ठंडे मन से उन्होंने निर्णय किया कि वह कॉंग्रेस पार्टी और खासकर सोनिया गांधी के लिए कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि चिरंजीव ने उन्हें अतीत को भूल जाने के लिए मनाया। उन्होंने लिखा, "मैं जन्म से कॉंग्रेसी हूँ और अंतिम सांस तक कॉंग्रेसी रहूँगा।"

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है: प्रियंका गांधी

● व्यापारी के बेटे की हुई हत्या पर प्रियंका गांधी ने सरकार पर साधा निशाना, कही न्याय दिलाने की बात

रायबरेली,(एजेंसी)। रायबरेली के ऊंचाहार में व्यापारी के बेटे की हत्या के बाद प्रियंका गांधी ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखते हुए उन्होंने सरकार से न्याय की मांग की। सराफा व्यवसायी शोभित कौशल की हत्या में इंतहा की हदें पार की गईं। आरोपियों ने ऐसी क्रूरता बरती कि जिसने भी उसके शव को देखा उसके रोंगटे खड़े हो गए। व्यवसायी के शरीर पर एक के बाद एक चाकू से 12 से ज्यादा वार किए गए। शव देखकर यही कयास लगाए जा रहे हैं कि हत्यारे तब तक उसके शरीर पर चाकू मारते रहे, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। सभी लोग आरोपियों के एनकाउंटर की मांग कर रहे हैं। झाड़ियों में पड़े व्यवसायी के शव को जब पुलिस ने बाहर निकाला तो उसका शरीर पूरी तरह से चाकू से छलनी किया गया था। गला चाकू से रेता गया था। पेट से लेकर सीने तक में 12 से ज्यादा वार किए गए थे। उसकी हत्या इतनी बेरहमी से की गई, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसकी आंत तक बाहर निकल आई थी। ऐसे में जाहिर है कि आरोपी सराफा व्यवसायी किसी बात से इतना ज्यादा चिढ़े थे कि उसकी क्रूर तरीके से हत्या की। जैसे ही शव मिलने की जानकारी हुई, वैसे ही घटनास्थल पर व्यापारियों व क्षेत्रीय लोगों का मजमा जुट गया। शव देखकर हर कोई हैरान और स्तब्ध था। सीओ डलमऊ अरुण कुमार नौहवार कहते हैं कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। प्रियंका गांधी ने फेसबुक पर की पोस्ट पर लिखा उत्तर प्रदेश के सर्राफा व्यापारी राकेश कौशल के बेटे शोभित के अपहरण और हत्या का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उत्तर प्रदेश में बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हैं कि शोभित का अपहरण उनकी दुकान से किया और हत्या कर दी। रायबरेली की जनता में इसे लेकर जबरदस्त आक्रोश है। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है। प्रदेश सरकार से मेरी मांग है कि मामले में सख्त कार्रवाई हो और पीड़ित परिवार के साथ न्याय हो। जेवर दिखाने के बहाने ले गए और मार डाला सराफा व्यवसायी शोभित कौशल की हत्या की स्क्रिप्ट हत्या आरोपियों ने पहले ही तैयार की थी। इसका तनिक भी अंदाजा व्यवसायी को नहीं था।

जम्मू में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ विरोधी अभियान जारी

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना का घुसपैठ विरोधी अभियान चल रहा है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। सेना ने एक्स पर कहा, "घुसपैठ की संभावित कोशिश के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सामान्य क्षेत्र उरी में नियंत्रण रेखा के पास एक संयुक्त घुसपैठ विरोधी अभियान शुरू किया है।" उन्होंने कहा कि सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी, जिसके बाद आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सतर्क सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया और जवाबी कार्रवाई की। अभी तक किसी के भी हताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। सेना ने कहा, श्अभियान जारी है।कमांडो तैनात किए गए इन जिलों के घने जंगलों में चार से अधिक प्रशिक्षित कमांडो तैनात किए गए हैं, ताकि आतंकवादियों को घात लगाकर हमला करने और फिर दुर्गम वन क्षेत्रों में छिपने से रोका जा सके। इन पर्वतीय जिलों में सेना और सीआरपीएफ की तैनाती के अलावा, पुलिस ने ग्राम रक्षा समितियों (वीडीसी) को स्वचालित हथियार भी जारी किए हैं।

जहरीली शराब कांड: महात्मा बनने का ढोंग कर रहे सीएम: लालू-तेजस्वी

● क्या सीएम नीतीश मेरे इन तथ्यों को झुठला सकते है?

पटना,(एजेंसी)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बिहार के हर चौक-चौराहे पर शराब की दुकानें खुलवाने वाले तथा शराबबंदी के नाम पर जहरीली शराब से हजारों जाने लेने वाले मुख्यमंत्री अब महात्मा बनने का ढोंग कर रहे हैं। सारण और सीवान में हुए जहरीली शराब कांड पर सियासत जारी है। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोला। रविवार को उन्होंने कहा कि यह अत्यंत ही दुखद है। बिहार में पूरी तरह से शराबबंदी लागू कराने में सरकार अप्रभावी है। सारण और सीवन में जिन लोगों की जान शराब के कारण गई, वह दुखद है। बिहार में जहरीली शराब त्रासदी दर्जनों लोगों की जान ले ली। क्या सीएम नीतीश मेरे इन तथ्यों को झुठला सकते है? वहीं तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बिहार के हर चौक-चौराहे पर शराब की दुकानें खुलवाने वाले तथा शराबबंदी के नाम पर जहरीली शराब से हजारों जाने लेने वाले मुख्यमंत्री अब महात्मा बनने का ढोंग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने शुरू के 10 वर्षों में बिहार में शराब की खपत बढ़ाने के हर उपाय किए और अब अवैध शराब बिकवाने के हर उपाय कर रहे है। साल में बिहार में हर साल औसतन दुकानें खोली गईं, लेकिन के साल नीतीश राज में हर साल औसतन दुकानें खुलीं। क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मेरे इन तथ्यों को झुठला सकते है? बिहार में महाराष्ट्र से ज्यादा लोग शराब पी रहे लोग नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार बिहार में शराबबंदी होने के बावजूद बिहार में महाराष्ट्र से ज्यादा लोग शराब पी रहे हैं। वर्तमान बिहार में ६६.६ प्रतिशत पुरुष शराब का सेवन करते हैं। वहीं, इसकी तुलना में महाराष्ट्र, जहां शराबबंदी नहीं है, वहां शराब पीने वाले पुरुषों का प्रतिशत महज ६६.६ है। बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में ६६.६ प्रतिशत और शहरी इलाकों में ६६.६ प्रतिशत लोग शराब पीते हैं, फिर भी नीतीश जी अनुसार बिहार में शराबबंदी लागू है, क्या मजाक है।

रोहिणी में बम विस्फोट दिल्ली की चरमराती सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रही: आतिशी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) पर हमला करते हुए रविवार को कहा कि यहां रोहिणी में स्कूल के बाहर बम विस्फोट की घटना दिल्ली की चरमराती सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रही है। सुश्री आतिशी ने 'एक्स' पर कहा,"रोहिणी स्थित एक स्कूल के बाहर बम विस्फोट की घटना दिल्ली की चरमराती सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रही है।दिल्ली में कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी भाजपा की केंद्र सरकार के पास है। लेकिन भाजपा अपना यह काम छोड़कर सारा समय दिल्ली की चुनी हुई सरकार के कामों को रोकने में लगाती है।" उन्होंने कहा, "यही कारण है कि आज दिल्ली में 1990 के दशक के मुंबई अंडरवर्ल्ड के दौर जैसा हाल हो गया है। शहर में सरेआम गोलियाँ चल रही है, गैंगस्टर वसूली कर रहे हैं और अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है।" मुख्यमंत्री ने कहा,"भाजपा के पास ना काम करने की नीयत है ना कघबिलियत। अगर गलती से भी दिल्ली वालों ने इन्हें दिल्ली सरकार की जिम्मेदारी दे दी तो ये स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी का भी वही हाल कर देंगे जो आज दिल्ली की कानून व्यवस्था का है।" उल्लेखनीय है कि रोहिणी सेक्टर 14 के प्रशांत विहार इलाकेमें स्थित सीआरपीएफ स्कूल के पास आज सुबह एक विस्फोट हुआ। इसमें किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धौलपुर हादसे की कंपा देने वाली तस्वीरें

● परिवार हो गए खत्म, 12 की मौत, शादी समारोह से आ रहे थे

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेम चंद बैरवा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई नेताओं ने धौलपुर में हुए भीषण सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री बागडे ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है। श्री शर्मा ने इस हादसे पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि धौलपुर में हुए भीषण सड़क हादसे में हुई जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित एवं त्वरित चिकित्सीय उपचार सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने प्रभु श्रीराम से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की। इसी तरह श्रीमती दिया कुमारी ने कहा कि धौलपुर में राज्य मार्ग 11बी पर हुए हृदय विदारक सड़क हादसे में कई लोगों की हुई असमय मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि वह दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को इस असीम पीड़ा को सहन करने की शक्ति दें। उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। परिवहन मंत्री डा बैरवा ने कहा कि धौलपुर राज्य राजमार्ग 11बी पर हुए भीषण सड़क हादसे में 12 लोगों की मृत्यु का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले को संज्ञान में लेते हुए प्रादेशिक परिवहन अधिकारी भरतपुर घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए गए है। तथा एक उच्च स्तरीय समिति का गठन कर जिसमें एडीएम, एडीशनल एसपी एवं आरटीओ सदस्य रहेगें उन्हें इस दुर्घटना के विषय में विस्तृत जांच कराने के भी निर्देश भी दिए गए है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों से घायलों के स्वास्थ्य संबंधित समय समय पर जानकारी ली जा रही है।

एवं उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के भी निर्देश दिए है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की।

सम्पादकीय

खेत और बैल के रिश्ते को बचाना होगा

देश में किसान अभूतपूर्व संकट से गुजर रहे हैं। अब इसे जानने के लिए कोई विशेष अध्ययन करने की जरूरत नहीं है। यह संकट रासायनिक खेती से जुड़ा हुआ है। जबकि परंपरागत खेती में खेत और बैल का संबंध था। किसानी व पशुपालन का गहरा रिश्ता था, जो अब ट्रेक्टर के आने से टूट रहा है। आज इस कॉलम में परंपरागत खेती पर चर्चा करना उचित रहेगा, जिससे खेती–किसानी को समग्रता से समझा जा सके, खेती की लागत को कम किया जा सके और खेती–किसानी और किसानों की आजीविका और पर्यावरण को भी बचाया जा सके। हमारे देश में खेती–किसानी बरसों से हो रही है। यह हवा,पानी और जलवायु के अनुकूल विकसित हुई है। इसमें काफी विविधता रही है। यह सिर्फ फसल उत्पादन ही नहीं, एक जीवन पद्धति थी। मोटे तौर पर स्वावलंबी व आत्मनिर्भर खेती थी। श्रम आधारित थी। किसानों के पास खुद का देसी बीज होता था। पशुपालन होता था, तो घर की गोबर खाद हो जाती थी। जिससे खेत की मिट्टी की उर्वरता बनी रहती थी। खेती से जुड़े हुए कई रोजगार भी थे, जिससे गांव के लोगों की आजीविका जुड़ी होती थी। गांव में बढ़ई का काम कृषि यंत्र बनाना होता था। वह बैलगाड़ी के चक्के, बक्खर और हल बनाता था। जिसके बदले उसे किसानों से अनाज मिलता था। परंपरागत खेती में अलग से बाहरी निवेश की जरूरत नहीं थी। न फसलों में खाद डालने की जरूरत थी और न ही कीटनाशक या नींदानाशक। पशुओं की देखभाल में अतिरिक्त खर्च नहीं होता था। फसलों के डंठल से तैयार भूसा, पुआल व मेड़ पर होने वाले चारे से उनका पेट भर जाता था। दूसरी तरफ खेत में डंठल व पुआल आदि सड़कर जैव खाद बनाते थे और पशुओं के गोबर से बहुत अच्छी खाद मिल जाती थी। गोबर खाद से खेतों में मिट्टी की उर्वरकता बढ़ती जाती थी। फसलों के मित्र कीट ही कीटनाशक का काम करते थे। पक्षी भी कीट नियंत्रण में अच्छी भूमिका निभाते थे। गाय–बैल को खिलाने के लिए पहले खेतों में कई तरह का चारा (घास) उपलब्ध था। होशंगाबाद जिले के पुराने गजेटियर में केल, मुचेल, पोनिया, सुकरा, गुनैया और दूब का चारे का जिक्र है। नये घास नेपियर और लुक्रेन हैं। जबकि किसान कई और चारे का नाम बताते हैं जिनमें समेल, कांस, बांसिया, हिरमेचिरी, बथुआ आदि हैं। लेकिन अब नींदानाशक या खरपतवार नाशक दवाईयों के छिड़काव के कारण ये चारे उपलब्ध नहीं हैं, या कम हो गए हैं। इस कारण पशुपालन कम होता जा रहा है। भारत में आज भी खेती और पशुपालन ही सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले क्षेत्र हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था केवल खेती–किसानी से ही नहीं, पशुपालन और छोटे–छोटे लघु–कुटीर उद्योग व लघु व्यवसायों से संचालित होती रही है। मवेशी एक तरह से लोगों के फिक्स्ड डिपॉजिट हुआ करते थे, जिन्हें बहुत जरूरत पड़ने पर, वे बेच देते थे। आम तौर पर गाय–बैल और मनुष्य के आपसी स्नेह और प्यार की कई कहानियां अब भी प्रचलन में हैं। उनके प्रति गहरी संवेदनशीलता भी देखने में आती थी। उन्हें बड़े लाड़–प्यार से पाला पोसा जाता था। ग्रामीण बताते हैं कि हम मवेशियों को अपने बच्चे की तरह पालते–पोसते हैं। उन्हें भी मनुष्यों की तरह बुढ़ापे में खूंटे पर बांधकर खिलाना चाहिए। बैलों के प्रति विशेष प्रेम तब दिखाई देता है जब उन्हें दीपावली के समय रंग–बिरंगी फीते, गेंठा, मुछेड़ी, नाथ और पट्टों से सजाया जाता है। मड़ई–मेलों में बैलगाड़ी से लोग सपरिवार जाते हैं। नर्मदा के मेलों में सजे बैलों की छटा निराली दिखती थी। गाय–बैल अपने आपको ऐसा ढाल लेते हैं कि कई तो खुद ही खेतों या जंगल में चरकर खुद घर आ जाते हैं। उन्हें लाने–ले जाने की भी जरूरत नहीं पड़ती। अगर वे कहीं दूर हो तो उनके गले की टपरी (घंटी) या ढूने की आवाज सुनकर उनको हांक कर घर ले आते हैं। गाय की पूजा की जाती है। उन्हें अनाज खिलाया जाता है। यानी गाय–बैल को समान रूप से सम्मान मिलता था। गाय–बैल को नहलाने–धुलाने से लेकर चराने–पिलाने का हर काम जिम्मेदारी से किया जाता था। खासकर महिलाएं और बच्चे मवेशियों की देखभाल में मदद करते थे। महिलाएं मवेशियों को बांधने के कोठा या सार की साफ–सफाई, भूसा–चारा डालना आदि का काम करती थीं। जबकि बच्चे उन्हें घास या भूसा डालने से लेकर पानी पिलाने का काम करते थे। अब भी असिंचित व दूरदराज के इलाकों में, मिश्रित खेती वाले क्षेत्रों में पशुपालन होता है। वहां आज भी बैलों से जुताई की जाती है। हमारे कई त्यौहार भी खेती से जुड़े हैं। हाल ही में पोला त्यौहार निकला है, जिसमें बैलों की पूजा की जाती है। उन्हें नहलाया धुलाया जाता है। रंग–बिरंगी रंगों के छापों से सजाया जाता है। लेकिन रासायनिक खेती में बैलों की खेती पीछे छूटते जा रही है। दीपावली पर भी पशुओं की पूजा होती है। खेती और पशुपालन एक दूसरे के पूरक हैं। इसका उदाहरण राजस्थान से आने वाले घुमंतू पशुपालकों की भेड़–बकरियों, ऊंटों को किसान अपने खेतों में चरने की इजाजत देते हैं जिससे खेत ऊर्वर बने और उनका पेट भी भरे। यही घुमंतू पशुपालक पशुओं की अच्छी नस्ल उपलब्ध कराने में विशेष भूमिका निभाते थे। लेकिन अब पशुपालन खत्म हो रहा है। किसान बताते हैं कि अब पशुओं को चरने के लिए खेत खाली नहीं हैं। तारों की फैंसिंग कर दी गई है। पड़ती या ऊसर भूमि भी अब नहीं है। गाय–बैल सड़कों पर मारेकृमारे फिर रहे हैं। इन सब कारणों से पशुपालन कम हो रहा है। अब बबूल और बेर के पेड़ भी खत्म हो रहे हैं जिनकी पत्तियां बकरियां चरती थीं। इन पेड़ों पर घोंसले बनाकर रहने वाले पक्षी भी बसेराविहीन हो गए हैं। पहले गांव में सभी घरों के मवेशियों को चराने के लिए एक व्यक्ति को नियुक्त कर दिया जाता था। एक साथ जो पशु चरने जाते थे। बदले में उस व्यक्ति को हर घर से अनाज मिलता था, जो मवेशी चराता था। इससे कुछ लोगों को आजीविका भी मिलती थी। हल–बैल की जगह ट्रैक्टर की जुताई से मिट्टी भी सख्त (भट्टल) हो रही है। किसान बताते हैं कि अगर गीले खेत में से एक भैंस निकल जाए तो जहां–जहां उसके खुरों के निशान बन जाते हैं, वहां–वहां दाने नहीं उगते। फिर तो अब ट्रैक्टर से जुताई की जा रही है। उसका वजन तो बहुत ज्यादा होता है। इससे हमारी जमीन कड़ी हो रही है। हल से जुताई की यह समस्या नहीं आती थी। कुल मिलाकर, खेती और पशुपालन का रिश्ता आज टूट रहा है। लेकिन अगर इसको बरकरार रखा जाए तो न केवल हमें भूमि को उर्वर बनाने के लिए गोबर खाद मिलेगी। बल्कि बड़ी आबादी को रोजगार भी मिलेगा। पशु शक्ति के बारे में कई विशेषज्ञ व वैज्ञानिक भी यह मानने लगे हैं कि यह सबसे सस्ता व व्यावहारिक स्रोत है। मशीनीकरण से ग्लोबल वार्मिंग की समस्या बढ़ेगी, जो आज दुनिया में सबसे चिंता का विषय है। लेकिन ऊर्जा संकट, बिजली संकट और मानव श्रम की बहुलता के मद्देनजर हमें टिकाऊ खेती की ओर बढ़ना पड़ेगा और इसमें पशु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इससे मिट्टी–पानी का संरक्षण तो होगा ही, जैव विविधता व पर्यावरण भी होगा।

मुंबई में लौट आया है संगठित अपराधों का दौर?

विद्याधर दाते

एक समय था जब मुंबई में दिन–दहाड़े गोलीबारी होती थी, गैंगस्टर खुले आम घूमते थे और शहर की सड़कों पर अपने दुश्मनों को अपनी मर्जी से उड़ा देते थे। दशहरे की रात (12 अक्टूबर) को बांद्रा के टोनी उपनगर में महाराष्ट्र के विवादास्पद पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद लगता है कि कुछ ऐसा ही माहौल वापस आ गया है। सिद्दीकी बॉलीवुड सितारों के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों के लिए मशहूर थे। 66 वर्षीय सिद्दीकी को कार में आए हत्यारों ने गोली मारी। हत्यारों के मुंह रूमालों से ढंके हुए थे। अपने लक्ष्य पर करीब से गोली चलाने के बाद वे भाग निकले। पुलिस ने इस वारदात को कॉन्ट्रैक्ट किलर की करतूत बताया है। संगठित अपराध शैली में की गई यह हत्या राजनेता–बिल्डर–अंडरवर्ल्ड गठजोड़ की शक्ति, पहुंच और कानून–व्यवस्था की अवमानना का संकेत देती है, जो भारत के सबसे मशहूर शहर मुंबई के अपराध मुक्त होने के दावे को चुनौती दे रही है। सिद्दीकी अपनी ग्लैमरस इफ्तार पार्टियों के लिए प्रसिद्ध थे जिनमें बॉलीवुड सितारे शामिल होते थे। वे विशेष रूप से सलमान खान और संजय दत्त जैसे फिल्मी सितारों के साथ अपनी नजदीकियों के लिए जाने जाते थे। सिद्दीकी की हैसियत सिर्फ एक पूर्व विधायक, एक पूर्व मंत्री या बांद्रा पश्चिम उपनगर के प्रतिनिधि से कहीं अधिक थी। वे उस इलाके से थे जहां बॉलीवुड फिल्मी सितारों में से कुछ सबसे बड़े लोगों के घर हैं। 2013 की एक तस्वीर में कांग्रेस पार्टी के तत्कालीन सदस्य बाबा सिद्दीकी सुपरस्टार सलमान खान और शकिंग खानच्य कहे जाने वाले शाहरुख खान के गलों में हाथ डाले दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के लंबे समय से सदस्य, पूर्व मंत्री

और सिनेस्टार व दिवंगत सांसद सुनील दत्त के सर्वाधिक करीबी सहयोगी रहे सिद्दीकी ने अपने खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की जांच के मद्देनजर इस साल की शुरुआत में पार्टी छोड़ दी थी और फिलहाल भाजपा के साथ महाराष्ट्र में सत्ता में भागीदार अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। उसके बाद ईडी का मामला कभी आगे नहीं बढ़ा। इन अर्थों में जिस व्यक्ति की गोली मारकर हत्या की गई, वह सत्तारूढ़ पार्टी का कार्यकर्ता था, जिसकी हत्या उस समय हुई जब सभी राजनीतिक दल महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए जी–जान से जुटे हैं। उल्लेखनीय है कि बाबा सिद्दीकी को एक पखवाड़े पहले जान से मारने की धमकी मिली थी जिसके बाद उन्हें श्वाईच्य श्रेणी की राज्य सुरक्षा प्रदान की गई थी। इन सबके बावजूद हिटमैन अपना काम कर गुजरे। सरकारी कहानी यह है कि यह हत्या लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व वाले गिरोह की करतूत है। हत्या का कारण सिद्दीकी की सलमान खान के साथ कथित नजदीकी को बताया जा रहा है। सलमान खान पर आरोप है कि उसने 1998 में कथित तौर पर एक काले हिरण का शिकार किया था जिसे बिश्नोई समुदाय पवित्र व पूजनीय मानता है। इसी वर्ष अप्रैल में सलमान खान के घर पर गोलियां चलाई गई थीं। इस सिलसिले में गिरफ्तार आरोपियों में से एक अनुज थापन के बारे में कहा जाता है कि उसने पुलिस हिरासत में आत्महत्या कर ली जिसने उस मामले में एक नया मोड़ दे दिया। अब सलमान खान के सभी दोस्त और सहयोगी बिश्नोई गिरोह के निशाने पर हैं, लेकिन सिद्दीकी की हत्या के बाद घटनाक्रम में इतनी तेजी के साथ बदलाव हो रहे हैं जिसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह कम महत्वपूर्ण नहीं है कि बिश्नोई इस समय गुजरात में हिरासत में हैं। इसके अलावा पुलिस ने सिद्दीकी मामले में उसी रात आनन–फानन में दो गिरफ्तारियां कीं और इस समय तक एक और आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार किया गया तीसरा व्यक्ति उस व्यक्ति का भाई है जिसने बिश्नोई गिरोह के गुर्गे के रूप में हत्या में शामिल होने का दावा किया था। क्या मामला इतना सरल हो सकता है जितना कि बताया जा रहा है? बाबा सिद्दीकी को जमीन और रियल एस्टेट कनेक्शन के लिए भी जाना जाता था जिसने मुंबई में बिल्डरों की भूमिका को उजागर करते हुए शहर का पूरा परिदृश्य बदल दिया और कई मायनों में शहर की तरक्की के साथ मुंबई को कांक्रीट का बदसूरत जंगल बनाने में भी योगदान दिया है। कीमतों में उतार–चढ़ाव के कारण कई इमारतें अधूरी छोड़ दी गईं। रियल एस्टेट में निवेश करने वाले अधिकांश लोगों ने देखा है कि उनके निवेश को आकर्षक रिटर्न नहीं मिलता हैं जैसा किसी समय आवासीय परियोजनाओं में मिलता था। इसके बावजूद मुंबई में भूमि का आकर्षण और रिटर्न देने की इसकी क्षमता हमेशा की तरह आकर्षक है जिसने मुंबई को भारत का सबसे समृद्ध शहर बनाए रखा है। इसके अलावा बाजार की बदलती परिस्थितियों ने बिल्डरों और परियोजनाओं पर भी दबाव डाला है जिनमें से कई की पूरा करने की प्रतिबद्धता हो सकती है पर मुंबई में आवास के लिए विकसित बाजार में व्यवहार्य से कम रिटर्न हो सकते थे। कुछ मामलों में राजनेता खुद भूमि सौदों और बिल्डरों से करीब से जुड़े हुए हैं जैसा कि बाबा सिद्दीकी कथित तौर पर करते थे या राजनेता खुद बिल्डर हैं, जैसे कि उपनगरीय मुंबई के भारतीय जनता पार्टी के पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा। लोढ़ा और उनका रियल एस्टेट व्यवसाय समूह शायद अकेले ही अपने दबदबे के लिए और मुंबई को नया आकार देने, कीमतों को बढ़ाने, इसे अमीरों के लिए मुफीद बनाने तथा औसत या गरीब निवासियों के प्रति विरोधपूर्ण रवैये के लिए स्पष्ट रूप से जाने जाते हैं। बाबा सिद्दीकी बांद्रा पश्चिम से विधायक चुने गए थे जो कभी श्उपनगरों की रानीच कहलाता था। बिल्डर इसे एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में देखते हैं और बिल्डरों के बढ़ते दबाव के कारण अब बांद्रा का आकर्षण कम हो रहा है। पूर्व में बहुत सामान्य लोग बांद्रा पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे जिसका एक उदाहरण सदानंद वर्दे हैं जो 1970 के दशक में शिक्षा मंत्री थे। वर्दे समाजवादी विचारधारा के थे एवं बांद्रा के नेशनल कॉलेज में अर्थशास्त्र के व्याख्याता थे। एक अन्य प्रतिनिधि सलीम जकारिया एक उपनगर में स्कूल शिक्षक थे जो राज्य के शिक्षा मंत्री भी बने। बांद्रा से ताल्लुक रखने वाले एक और शख्स रामदास नायक थे जो मोदी–शाह नेतृत्व से पहले के दिनों से मुंबई भाजपा के नेता थे। अगस्त 1994 में दाऊद इब्राहिम गिरोह के सदस्यों ने एके 47 राइफल से गोलियों की बौछार कर नायक और उनके अंगरक्षक की हत्या कर दी थी। नायक उस समय 52 साल के थे। बांद्रा में हिल रोड का नाम उनकी याद में रखा गया है। नायक भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष थे और भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाने वाले वह व्यक्ति थे जिन्होंने कांग्रेस के तत्कालीन मुख्यमंत्री एआर अंतुले के खिलाफ सीमेंट घोटाले के आरोपों को उजागर करने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। नायक ने कुछ बिल्डरों के खिलाफ भी मोर्चा खोला था। अब तस्वीर बहुत अलग है। मामले सुलझाने के लिए त्वरित प्रस्ताव सामने रखे जाते हैं। मामलों को आसानी से हल हुआ मान लिया जाता है। यह स्थिति लोगों या अधिकारियों को कभी भी मामले की पूरी भयावहता सामने लाने की अनुमति नहीं देगी कि वास्तव में क्या गलत हो रहा है या मामले के सूत्र किसके हाथ में हैं और मुंबई में वापस लौट रहे संगठित अपराधों के पीछे वास्तव में किसका हाथ है।

आधुनिकता से बिखरते परिवार। त्रासदी झेलते बच्चे और बुजुर्ग

संजीव ठाकुर

भारत मूलतः परंपरावादी वैदिक तथा सनातनी देश है पर आधुनिकता ने देश के संयुक्त परिवारों को खंडित कर दिया है। अधिकांश परिवार अब एकल परिवार में परिवर्तित हो गए हैं ऐसे में बुजुर्ग तथा बच्चे सबसे ज्यादा इस त्रासदी के शिकार हुए हैं। आधुनिक जीवन शैली ने माता पिता को नन्हे बच्चों से दूर कर दिया है इसी तरह बुजुर्गों के साथ उनकी संतानों की संवेदनहीनता ने असहाय सा बना दिया है। बच्चों तथा बुजुर्गों को इसी समय सबसे ज्यादा अपने माता पिता तथा संतानों के सहयोग एवं संरक्षण की आवश्यकता महसूस होती है। यदि आधुनिक जीवन शैली के कारण बुजुर्गों तथा बच्चों का उनके अभिभावक एवं पुत्रों पुत्रियों के साथ संवाद हीनता एक बड़ी पीड़ा का कारण बन जाति है। भारत में सर्वे के अनुसार बुजुर्गों और नौजवान पीढ़ी के बीच संवाद हीनता एक चिंताजनक स्वरूप ले चुका हैस बुजुर्ग एकाकीपन से अब मानसिक रोगों के शिकार होने लगे हैं। जिन बुजुर्गों को चलने फिरने और बाहर जाने में परेशानी होती है उनके लिए नौजवान पीढ़ी के साथ संवाद हीनता परेशानी का एक बड़ा सबक बन चुका हैस महिला तथा पुरुष बुजुर्गों के साथ यह समस्या बृहद रूप लेकर सामाजिक समस्या बन गई हैस बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं इनका जीवन के हर दृष्टिकोण में संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी तरह बच्चों को नैतिक तथा बुनियादी शिक्षा देकर उन्हें देश का अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी दम पत्तियों पर होती है पर वर्तमान में बच्चे मां बाप से दूर होते जा रहे हैं और बुजुर्ग अपनी संतानों से मोबाइल ,व्हाट्सएप फेसबुक और इंटरनेट ने नौजवान पीढ़ी और बुजुर्गों के बीच एक बड़ा संवाद हीनता का संकट पैदा कर दिया है। बुजुर्ग यदि अपने मन की बात किसी से कह नहीं सकेंगे तो उन्हें मानसिक रूप से बीमारी का संकट हो सकता है। नौजवान पीढ़ी को खाली समय में मोबाइल कंप्यूटर में फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम से ही फुर्सत नहीं है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए यह संकट और गहराने का खतरा बढ़ता जा रहा हैस उल्लेखनीय है कि बुजुर्गों का अनुभव उनका ज्ञान परिवार,समाज तथा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैस देश की संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान और इज्जत उनकी रक्षा निहित हैस करोना की तीसरी लहर से भारतीय समाज में निवास कर रहे बुजुर्गों की बड़ी संख्या को हमें सुरक्षित और महफूज रखना है। वह वटवृक्ष की तरफ हम सबका मार्गदर्शन करते हैं ,अतः हमारा प्रथम कर्तव्य होगा कि हम वृद्धजनों की हर संभव रक्षा कर उनकी इज्जत, तवज्जो करेंस इसके साथ ही हमें बच्चों तथा नौजवानों की भी रक्षा करनी होगीस भारत सरकार की लगातार चेतावनी और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी निर्देशों की अवहेलना अभी भी भारत देश में जारी हैस सैकड़ों लोग मौत के मुंह में समा चुके हैंस हमें कोविड–19 के आतंक के साए को भी नहीं भूलना चाहिए।हमे लगातार सावधानी रख कोविड–19 के प्रोटोकॉल का अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ संगठन की गाइडलाइंस के अनुसार अपना आचरण रखना होगा। अन्यथा कोविड–19 की तीसरी लहर फिर भारत के निवासियों को परेशान कर सकती है। भारत में कोविड–19 की तीसरी लहर की शुरुआत बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों तक हो चुकी है। इसके लिए हमें अतिरिक्त सावधानी रखनी होगी। मैंने पहले भी कहा था कि करोना का केरल हॉटस्पॉट बन चुका है। अब दिल्ली, मुंबई चेन्नई अहमदाबाद तथा पूर्वोत्तर राज्य मैं भी कोविड–19 की तीसरी लहर के आंकड़े डरावने हो गए हैं। करोना का डेल्टा वैरीअंट यानी करोना की तीसरी लहर हर जगह फैलने लगी हैस अब यह संक्रमण भारत के महानगरों में फैलने की आशंका को लेकर आया है। दिल्ली ,मुंबई कोलकाता, अहमदाबाद,चेन्नई से कोविड–19 की तीसरी लहर अपना पैर पसार चुकी है। और यदि आपने अपने चेहरे पर मास्क नहीं लगाया, लगातार हाथ नहीं धोया, लोगों से 2 गज की दूरी नहीं रखी और भीड़ भाड़ में जाने से नहीं बचे, तो निश्चित तौर पर कोविड–19 का डेल्टा वैरीअंट को आने से कोई नहीं रोक सकता है । वैसे भी विश्व में इंडोनेशिय,मलेशिया,थाईलैंड, ब्रिटेन, फ्रांस, ब्राजील, अर्जेंटीना,अमेरिका मैं डेल्टा वैरीअंट के तेजी से हजारों प्रकरण बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका डेल्टा वैरीअंट के संक्रमण का भयानक प्रकोप झेल रहा है। भारत में भी पूर्वांचल प्रदेशों में मिजोरम,असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में तीसरी लहर के आसार स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। ब्रिटेन, अमेरिका,और फ्रांस जैसे उच्च शिक्षित देशों के नागरिकों ने लॉकडाउन हटते ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस का उल्लंघन कर कोविड–19 की तीसरे संक्रमण की लहर को आमंत्रित कर लिया है। अमेरिका के स्वास्थ विभाग के वैज्ञानिक डॉ मूर्ति ने यहां तक कहा कि अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को तीसरी लहर के अल्फा बीटा गामा कप्पा और डेल्टा वैरीअंट से बचने के लिए इंजेक्शन का बूस्टर डोज लगाना पड़ेगा, तभी लोगों की जान बच पाएगी। 24 करोड़ आबादी वाला उत्तर प्रदेश अब तक करोना की लहर से लड़कर उसे दबाने में काफी हद तक सफल रहा है। खुलेआम पर्यटन स्थलों पर मौज मस्ती करने वाले अमीर लोग अपना इलाज तो आसानी से करवा लेंगे पर सबसे बड़ी मुसीबत गरीब तथा सर्वहारा वर्ग के लिए होगी जि ऐसे में यदि भारत में कोविड–19 की तीसरी लहर पर्यटन स्थलों में घूमते हुए बेखौफ लोगों से भारत फिर फैलती है, तो आम जनता का जीवन यापन कठिन तथा दुष्कर हो जाएगा। और जिंदगी बचाने के लिए त्राहिमाम त्राहिमाम होने की पूरी संभावना है। देश में कोरोना की प्रथम लहर के थोड़े से नियंत्रण में आने के बाद सरकारों और आला अधिकारियों को यह गलतफहमी हो गई थी,कि करोना पूरी तरह नियंत्रित हो गया है। और वापस लौटकर नहीं आएगा। इसीलिए उन्होंने बाजार, आम सभाएं, शादी समारोह, होटल, टॉकीज,बड़े बड़े मॉल को खोलने की तथा ग्राहकों को आमंत्रित करने की अनुमति दी थी। और नीति निर्माता, राज्य सरकारों, केंद्र सरकार तथा मंत्रालय में बैठे बड़े–बड़े आला अधिकारियों ने कभी कल्पना ही नहीं की थी कि करोना की दूसरी लहर भी आएगी, और इसी के चलते उन्होंने न तो कोई दूरदर्शी नीति बनाई और ना ही इससे बचने के किसी उपाय पर विचार ही किया ।यह उनकी सबसे बड़ी गलती थी, तथा अदूरदर्शिता भी थी । लेकिन करोना कि दूसरी लहर ने संक्रमण की जो तबाही मचाई और लाखों लोगों को मौत के घाट उतार दिया , अब कोविड–19 की तीसरी लहर भी इसी तरह के संक्रामकता लाने वाली है। यह तीसरी लहर का वैरीऐट बच्चों तथा युवा बुजुर्ग लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित करेगा, और इसके कोई लक्षण भी नहीं दिखाई देंगे, कोविड–19 की पहली लहर में संक्रमण दस दिन तक अपने उफान पर रहता था अब दूसरी लहर में 5 दिन में या पूरे शबाब पर आ जाता है, तीसरी लहर में न जाने यह दो या तीन दिन में अपना सर्वाधिक असर दिखाने वाला होगा, ऐसे में तीसरा संक्रमण कॉल बहुत ज्यादा डरावना और संक्रमण का होगा,वह दूसरे संक्रमण काल से भी ज्यादा मौत देने वाला होगा। ब्रिटेन की वैज्ञानिक शोध पत्रिका लेसेंट ने बताया कि ब्रिटेन फ्रांस बच्चों के लिए वैक्सीन बनाने में सफल हो गए हैं। एवं ब्रिटेन में बच्चों को वैक्सीनेशन देने की अनुमति देने की तैयारी चल रही है भारत के नौजवान बुजुर्ग और बच्चे बड़ी तादाद में मौजूद हैं।

फिर सैनी की ताजपोशी

भले ही यह अप्रत्याशित हो, लेकिन यह एक टकसाली हकीकत है कि हरियाणा में भाजपा को तीसरे कार्यकाल के लिये स्पष्ट जनादेश मिला है। हो सकता है पार्टी यह कहे कि यह निर्णायक जनादेश भाजपा के शासन मॉडल के प्रति विश्वास मत के रूप में अभिव्यक्त हुआ है, लेकिन इसके बावजूद जरूरत इस बात की है कि उन मुद्दों पर मंथन किया जाए जिनको लेकर चुनाव के दौरान जनता में असहजता थी। निस्संदेह, नायब सिंह सैनी, जिनको पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की छाया में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था, लेकिन उनके नेतृत्व में पार्टी ने पिछली बार से अधिक सीटें लेकर पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी है। मगर जिस चीज से नायब सिंह सैनी को सावधान रहने की जरूरत है, वह है अति–आत्मविश्वास। हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अति–आत्मविश्वास की कीमत चुकाई है। निस्संदेह, सैनी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के पास हरियाणा में आधारभूत बदलाव से जनाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने का सुनहरा मौका है। उन्हें पूर्ण बहुमत वाली सरकार के रूप में जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिये कृतसंकल्प होने की जरूरत है। दरअसल, चुनावी राजनीति में जनता के दरबार में उछले विपक्षी नेताओं के आरोप कई बार सत्तापक्ष को आत्मविश्लेषण का मौका भी देते हैं। चुनावी माहौल में जहां विपक्षी दल सत्ता पक्ष की रीतियों–नीतियों को लेकर मुखर होते हैं,वहीं ऐसे मौके पर जनता की अभिव्यक्ति का भी अहसास होता है। भाजपा जैसे कुशल संगठन वाली कैडर आधारित पार्टी से उम्मीद की जाती है कि जिस तरह उसने चुनावों में माइक्रो मैनेजमेंट किया, उसी तरह उसकी सरकार से भी उम्मीद की जाती है कि वह समस्याओं को भी बेहद करीब से सूक्ष्म स्तर पर महसूस करेगी। बहरहाल, भाजपा की इस जीत ने एक संदेश यह भी दिया है कि महज सत्ताविरोधी रुझान ही चुनाव परिणामों की दिशा–दशा तय नहीं करते। बदलाव की आकांक्षा को सुशासन व बेहतर प्रबंधन के मुद्दे भी गहरे तक प्रभावित करते हैं। निश्चित रूप से मुख्यमंत्री की दूसरी पारी में कार्यभार संभालने वाले नायाब सिंह सैनी की सरकार पर जनाकांक्षाओं का भारी दबाव होगा। उनका प्राथमिक उद्देश्य जनता से किये गए वायदों और उनके क्रियान्वयन होगा, जिससे जनता सुशासन की उपलब्धि महसूस कर सके। निश्चित रूप से किसी योजना की सार्थकता इस बात पर निर्भर करती है कि जनता उससे किस हद तक लाभान्वित महसूस करती है। कई बार व्यवस्था की विसंगति इस मार्ग में बाधक बन जाती हैं। इसके लिये आश्वासन व क्रियान्वयन में साम्य जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, पिछले मार्च में जब सैनी ने अपने गुरु मनोहर लाल खट्टर की छत्रछाया में सरकार का दायित्व हासिल किया था तो उन्हें राजनीतिक हलकों में गंभीरता से नहीं लिया गया। लेकिन उन्होंने पिछले विधानसभा चुनावों में न केवल खुद को साबित किया बल्कि राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। निस्संदेह, हरियाणा के इस नये जनादेश के दूरगामी परिणाम होंगे। इतना ही नहीं इस जीत ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व में भी एक नया उत्साह भर दिया। यह उत्साह महाराष्ट्र व झारखंड के चुनाव अभियान में भी नजर आ रहा है। निश्चित रूप से इन चुनावों ने मुख्यमंत्री के रूप में नायब सिंह सैनी का राजनीतिक कद बढ़ाया है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से भी उन्हें सकारात्मक प्रतिसाद व संबल मिला है। वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं तो उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं। उन्हें क्षेत्र व जाति की सीमाओं से परे 'सबका साथ, सबका विकास' का लक्ष्य हासिल करना है। उनके लिये यह सुखद है कि जहां राज्य में उन्हें पिछली बार के मुकाबले ज्यादा सीटें मिलने से पूर्ण बहुमत हासिल हुआ है,वहीं केंद्र से भी उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है। निस्संदेह, उन्हें 'डबल इंजन की सरकार' के मुहावरे को साकार करने का अवसर मिला है। जरूरत इस बात की कि वे पूर्व सरकार के मुखिया की छाया से निकलकर शासन की नई सर्व स्वीकार्य दिशा तय करें। वे महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम नजर आएं, जिससे राज्य में सरकार की स्वीकार्यता बढ़ सके। जिसमें पार्टी के वरिष्ठ विधायकों का अनुभव व कनिष्ठ विधायकों की ऊर्जा मददगार होगी।

ग्रामीणों ने खेत में देखा विशाल काय अजगर,पहुंची विभाग की टीम

बस्ती,(यूएनएस)। जिले के सोनहा थाना क्षेत्र के अजगँवा गांव में एक विशालकाय अजगर के खेत में दिखाई देने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने इतने बड़े अजगर को पहली बार देखा है। अजगर की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। काफी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने अजगर को सुरक्षित पकड़ा और अपने साथ ले गई, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। घटना शनिवार सुबह की है, जब कुछ ग्रामीणों की नजर खेत में मौजूद इस विशाल अजगर पर पड़ी। देखते ही देखते यह खबर गांव में फैल गई और मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। अजगर को देखने के लिए वहां कौतूहल का माहौल बन गया। ग्रामीणों में से किसी ने वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद वन विभाग की टीम ने सर्प मित्र घनश्याम की मदद से अजगर को सुरक्षित तरीके से पकड़ा। इस घटना ने कुछ लोगों को रोमांचित भी किया, और कई ग्रामीणों ने अपने मोबाइल से अजगर का वीडियो बनाया। इस वीडियो ने जल्द ही सोशल मीडिया पर वायरल होना शुरू कर दिया। वन विभाग की इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों ने राहत महसूस की, और इस रोमांचक घटना ने गांव में चर्चा का विषय बना दिया।

डॉ. आम्बेडकर की प्रतिमा तोड़ी,पुलिस ने युवक को पकड़ा

बस्ती,(यूएनएस)। जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में मनबढ़ युवक ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा को तोड़ दिया। प्रतिमा खंडित होने के चलते वह चबूतरे से उखड़कर भूमि पर जा गिरी, जिसे लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है और अब वे नई प्रतिमा स्थापित किए जाने की मांग कर रहे हैं। घटना उक्त थाना क्षेत्र के तेलियाडीह गांव की है। गांव के ही युवक जयचंद चौहान पर आरोप है कि उसने शुक्रवार की रात्रि में डॉक्टर आम्बेडकर की प्रतिमा को तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि उसने कुछ लोगों के उकसाने पर ऐसा काम किया है, इस बात की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को हुई उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। डॉक्टर आम्बेडकर की प्रतिमा खंडित होने को लेकर ग्रामीण अब उक्त स्थान पर नई प्रतिमा स्थापित करने की मांग कर रहे हैं। प्रशासन नई प्रतिमा स्थापित करने के इंतजाम में लगा हुआ है। हर्रैया में प्रतिमा न होने के चलते सोनूपार से अब नई प्रतिमा मंगाई जाएगी। घटना को लेकर एसओ कप्तानगंज दीपक दुबे ने बताया कि जानकारी होने पर पुलिस टीम मौके पर गई थी, तहरीर प्राप्त होते ही युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है, ग्रामीण नई प्रतिमा स्थापित करने की मांग कर रहे हैं। नई प्रतिमा लगवाई जाएगी, स्थिति सामान्य है।

ग्रिल काटकर बैंक में घुसा चोर,चोर को गिरफ्तार कर पुलिस कर रही पूछताछ

बस्ती,(यूएनएस)। जिले के महराजगंज स्थित यूपी बड़ौडा बैंक की शाखा में शुक्रवार देर रात एक चोर ने खिड़की की ग्रिल काटकर चोरी का प्रयास किया। जैसे ही आस–पास के लोगों ने खिड़की की ग्रिल कटी देखी, वे तुरंत मौके पर इकट्ठा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और बैंक के भवन को चारों तरफ से घेर लिया। घटना कप्तानगंज क्षेत्र के महराजगंज कस्बे में स्थित व्यवसायी परमात्मा प्रसाद मौर्या के मकान में हुई, जहां यूपी बड़ौडा बैंक की शाखा स्थित है। चोर ने बैंक की सीढ़ी के रास्ते ऊपर जाकर खिड़की की चार रॉड काटी और नीचे फेंक दी। इसके बाद उसने खिड़की का शीशा भी तोड़ दिया। जब स्थानीय लोगों को घटना की आहट हुई, तो उन्होंने मकान मालिक को फोन कर सूचना दी और मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए चोर को मौके पर ही पकड़ लिया। चोर को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही हैइस मामले में कप्तानगंज के एसओ दीपक कुमार दुबे ने बताया कि सूचना मिलने पर वह स्वयं पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। गिरफ्तार किए गए चोर की पहचान हर्रैया थाना क्षेत्र के खेमराजपुर गांव निवासी रामतौल निषाद के रूप में हुई है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है, और बताया जा रहा है कि इससे पहले भी इस पर कई मुकदमे दर्ज हैं।

मरीज लेकर आ रहे एंबुलेंस में ट्रक ने मारी टक्कर, तीन घायल

बहराइच,(यूएनएस)। मोतीपुर थाना क्षेत्र से मरीज को जिला अस्पताल ला रही एंबुलेंस में बाईपास मार्ग पर ट्रक ने पीछे से ठोकर मार दी। जिसमें तीन लोग घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मोतीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नयापुरवा निवासी दीपक (12) पुत्र मुन्नालाल शुक्रवार शाम को घर की दीवार गिरने से घायल हो गया था। जिसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। यहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। 108 एम्बुलेंस से किशोर को जिला अस्पताल लाया जा रहा था। शुक्रवार शाम छह बजे के आसपास एंबुलेंस लेकर चालक छोटेलाल और ईएमटी कौशल कुमार जिला मुख्यालय के बाईपास मार्ग पर पहुंचे। तभी पीछे से ट्रक ने ठोकर मार दी। हादसे में किशोर की मां शांती देवी और नानी बोटनिहा गांव निवासी मुन्नी देवी घायल हो गई। सभी को वाहन से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। एंबुलेंस सेवा के जिला प्रबंधक सुधीर कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस कैस नहीं किया गया है। वाहन क्षतिग्रस्त हो गया है।

लोंगो को सता रहा बुलडोजर का डर, मकान से खाली कर रहे लोग

बहराइच,(यूएनएस)। जिले महराजगंज बाजार में रविवार को मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई हिंसा के आरोपियों समेत 23 लोगों के मकान में नोटिस चस्पा किया गया है। इसको देखते हुए शनिवार सुबह से ही लोग अपना सामान घरों से सुरक्षित स्थान की ओर ले जा रहे हैं। आपको बता दे हरदी थाना क्षेत्र के महराजगंज बाजार में मूर्ति विसर्जन जुलूस पर पथराव के दौरान हुई फायरिंग में रेहुआ मंसूर गांव निवासी राम गोपाल मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अब ऐसे लोगों पर बुलडोजर की कार्रवाई भी होने की संभावना बन गई है। पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से ऐसे 23 लोगों को चिन्हित कर नोटिस चस्पा किया गया है। इसमें हिंसा के मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद भी शामिल है। ऐसे में किराए पर रह रहे लोग अपना सामान बचाने के लिए उसे सुरक्षित स्थान की ओर ले जा रहे हैं। वही शनिवार सुबह से ही लोग अपना सामान ट्रैक्टर ट्रॉली और अन्य साधन से निकालने में लगे हैं। कुछ स्थानीय लोग भी समान निकाल रहे हैं। उधर एक बार पुनः महराजगंज में नेट फ्रीक्वेंसी कम कर दी गई है।

कमरे में सो रही महिला के साथ पड़ोसी ने किया दुष्कर्म का प्रयास

सुल्तानपुर,(यूएनएस)। भदैंया कोतवाली देहात के प्रतापगंज चौकी के एक गांव में शुक्रवार की आधी रात को कमरे में सो रही महिला के कमरे में छत के सहारे पड़ोस का युवक घुस गया तथा दुराचार का प्रयास किया है। आरोप है कि महिला का पति व देवर रोजी रोटी के चलते बाहर परदेश मे रहते हैं। घर पर महिला उसकी देवरानी व वृद्ध ससुर रहते हैं। शुक्रवार को गर्मी के चलते महिला कमरे का दरवाजा खोलकर अपने कमरे में सो रही थी। पड़ोसी युवक छत से कमरे में पहुंच सो रही महिला का वस्त्र उतार दिया तथा दुराचार का प्रयास करने लगा। जिसके बाद महिला जाग गयी और गुहार लगाई। आवाज सुनकर पड़ोसी कमरे से देवरानी व बरामदे से ससुर पहुंचे तो युवक अपनी गलती मानने लगा।

कुशा कपिला ने साल 2020 में फिल्म घोस्ट स्टोरीज में काम किया था। इसमें करण जौहर के सेगमेंट में कुशा ने काम किया था। इसके बाद तो कुशा ने कई बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में काम कर लिया है जैसे प्लान ए प्लान बी, सेल्फी, सुखी, थैंक्यू फॉर कमिंग, इश्क–विश्क रिबाउंड।

देवा मेला में मीडिया कैम्प का हुआ शुभारंभ

बाराबंकी,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के नवनिर्वाचित सदस्य अब्दुल वहीद की उपस्थिति में अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह तथा अपर पुलिस अधीक्षक चिरंजीवी नाथ सिन्हा द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर देवा मेला मीडिया कैम्प का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता तारिक किदवई जिला अध्यक्ष उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन बाराबंकी ने की तथा संचालन मान्यता प्राप्त पत्रकार प्रदीप सारंग ने किया।इस अवसर पर विशेष रूप से न्यूज पेपर ट्रस्ट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष वकास वारसी मौजूद थे। इस मौके पर अपने सम्बोधन में अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह ने कहा कि देवा मेला जनपद की अनूठी पहचान है जो कि लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने का एक आयाम है। एक सशक्त सांस्कृतिक विरासत को संपुष्ट करता यह मेला एक बड़े आर्थिक उपक्रम के रूप का भी सफल मेला है। जनपद के बाहर से से बड़ी आमद श्रद्धालुओं की रहती है। श्री सिंह ने पत्रकारों से सहयोग की अपेक्षा जताते हुए कहा कि दूर दराज बैठे लोग समाचार पत्रों के माध्यम से रोज का रोज देवा मेला का हाल जान लेते हैं वो सब पत्रकार साथियों के परिश्रम का परिणाम है। मीडिया कैम्प में और अधिक सुविधाएं बढ़ाने की बात भी स्वयं कही।अपर पुलिस अधीक्षक चिरंजीवी नाथ सिन्हा ने मीडिया के बन्धुओं से कहा कि देवा मेला हम सबके आपसी सामंजस्य एवं सामूहिक प्रयास से चमकता है। इस बार के विशेष समाचार प्रकाशन से यहाँ की खूबसूरती की सुगंध दिगदिगन्त तक फैले। यहाँ न कोई अधिकारी है न कोई पत्रकार। हम सभी एक टीम का हिस्सा हैं। किसी की भी भूमिका कमतर नहीं है। इसी सप्ताह आई पी एस का प्रमोशन पाने वाले श्री सिन्हा ने आश्वासन भी दिया कि किसी पत्रकार को कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी,चाहे आवागमन हो अथवा समाचार संकलन में। मीडिया कैम्प में समाचार पत्र वाचनालय का शुभारम्भ करते हुए लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल वहीद ने कहा कि सृष्टि के आरम्भ से अंत तक मीडिया की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। यह कलम बहुत ही जिम्मेदारी का एहसास कराती है। कलम की गरिमा हम सभी पर आधारित होगी। अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए तारिक किदवई ने सभी को आभार बोलते हुए जनपद के सभी पत्रकार बन्धुओं का आवाहन किया कि देवा मेला मीडिया कैम्प आपका अपना है, आएं जरूर। यहाँ की सभी सुविधाएं सर्वसुलभ रहती हैं।विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अनेक पत्रकार संगठनों ने अपने बैनर लगाकर मीडिया कैम्प की खूबसूरती बढ़ाई है जिसमें उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन, इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन, हिंदी पत्रकार एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट–उपज, आल इंडिया प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऐप्ज़ा, पत्रकार प्रेस महासंघ, मीडिया क्लब बाराबंकी, के साथ समाचार पत्र अमृत विचार, हिन्दी दैनिक संदौली टाइम्स, आजाद भारत टाइम्स संगठन प्रमुख थे।अंत में अपर जिलाधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा संगठनों के प्रतिनिधिगण को स्मृतिचिन्ह प्रदान किया गया। रामनगर, फतेहपुर, मसौली, हरख, बंकी, कोठी, हैदरगढ़, सूरतगंज सहित सम्पूर्ण जनपद से लगभग 5 दर्जन पत्रकारों की उपस्थिति में रात्रि 8 बजे शुभारंभ हुआ।मीडिया कैम्प को जनोपयोगी बनाने की दृष्टि से इस बार कैम्प में निःशुल्क समाचारपत्र वाचनालय का शुभारंभ लखनऊ से पधारे वरिष्ठ पत्रकार उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति की प्रबन्धकारिणी के नवनिर्वाचित सदस्य अब्दुल वहीद एवं पूर्व सदस्य जुबेर अहमद द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। पत्रकार मो अतहर के संयोजन में सम्पन्न शुभारंभ समारोह में अपर जिला सूचना अधिकारी आरती वर्मा, डीएसपी सुमित त्रिपाठी, कोतवाली प्रभारी मेला, पत्रकार रत्नेश कुमार, नूर मोहम्मद, अशोक तिवारी, राज कुमार सिंह, अशोक सैनी, राहुल त्रिपाठी, उबैद अंसारी, पाटेश्वरी प्रसाद, अजीज अहमद अज्जू, नितिन श्रीवास्तव, संजय वर्मा पंकज, जितेंद्र शुक्ल, आर एन शर्मा, राम दुलारी पटेल, धर्मेन्द्र पटेल, सुनील सहारा, हुमायूँ कबीर, मो अशहर, परवेज जलील, आसिम सहित अनेक पत्रकार बन्धु उपस्थित रहे।लखनऊ से आये पत्रकार जुबैर अहमद,परवेज अख्तर,भानु प्रताप सिंह, डॉ जफर खान,आरिफ मुकीम,अतहर रजा, राम बाबू, वसी अहमद सिद्दीकी का स्वागत किया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब में उतारता मिला युवक का शव

हरदोई,(यूएनएस)। जनपद के एक तालाब में शुक्रवार देर रात एक युवक का शव उतारता मिला है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार शाहाबाद कोतवाली के अंतर्गत टेड़वा चतुरपुर गांव निवासी विनीत कुमार पांडे शुक्रवार शाम शौच के लिए घर से निकला था। पर काफी देर तक घर नहीं लौटा। परिजनों ने खोजबीन शुरू की। रात करीब 12.00 बजे उसका शव गांव के एक तालाब में उतराता हुआ मिला। ग्रामीणों की सूचना पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। पुलिस युवक को लेकर शाहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। कयास लगाए जा रहे हैं कि शौच के दौरान पैर फिसलने से युवक तालाब में गिर गया होगा और डूबने से उसकी मौत हो गई होगी। फिलहाल मामले में परिजनों की ओर से कोई आरोप नहीं लगाया गया है।

सर्राफा व्यापारी की अपहरण के बाद हत्या, आक्रोशित लोगों ने हाईवे जाम किया

रायबरेली,(यूएनएस)। जनपद में सर्राफा व्यवसायी की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। सीने और पेट में 20 बार चाकू मारा गया है। पिता ने एक दिन पहले ही गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सूचना के बाद पुलिस हरकत में आई। सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो हकीकत सामने आ गई। पुलिस ने क्षेत्र के नजनपुर गांव निवासी 2 व्यक्ति को रात में पकड़ा और दोनों से पूछताछ की। जिसके बाद प्रतापगढ़ के नवाबगंज थाना क्षेत्र के गोसाई गांव का पुरवा के पास नहर के किनारे झाड़ियों से अपहृत का शव बरामद किया। आक्रोशित व्यापारियों ने लखनऊ–प्रयागराज राजमार्ग जाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाया। परिजन पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान ऊंचाहार थाना क्षेत्र के मदारीगंज गांव निवासी शोभित कौशल (30) के रूप में हुई है। मृतक के पिता राकेश कौशल ने बताया कि ऊंचाहार कस्बे में मेरी सर्राफा की दुकान है। जिस पर शोभित भी बैठता था। एक दिन पहले दुकान से ही वह अपने दोस्तों के साथ घूमने चला गया था। देर शाम तक वह घर नहीं लौटा। हमने पता करने की कोशिश की लेकिन कोई पता नहीं चला। काफी खोजबीन के बाद पता नहीं लगने पर हम पुलिस से शिकायत करने पहुंचे। मेरा बेटा कल से लापता था, लेकिन पुलिस ने सही से अपना काम नहीं किया। पुलिस अलर्ट होती तो मेरा बेटा जिंदा होता। मृतक के पिता ने आगे बताया कि जब में 17 की शाम को थाने गया तो पुलिस से बोला–मेरे बेटे की आप लोग तलाश करिए। लेकिन पुलिस बोली–पहले पूरा प्रूफ मिल जाए तब पता करें। पुलिस हाथ हाथ धरे बैठी रही, अगर तलाश करती तो मेरा बेटा जिंदा होता। थाना अध्यक्ष ऊंचाहार ने बताया कि मृतक युवक के परिजनों द्वारा युवक के लापता होने की जानकारी एक दिन पहले दी गई थी।

नकली नोट प्रकरण: रियल स्टेट कम्पनी और मदरसा के लोगो की उडी रातो की नींद

जाली नोट मामले मे गृह मंत्रालय भी जमाये हुए है नजर

अब तक ग्यारह अभियुक्त जा चुके है सलाखों के पीछे

कुशीनगर,(यूएनएस)। राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों मे रहा नकली नोट मामले में रियल स्टेट कम्पनियों व मदरसे की संदिग्ध भूमिका का साक्ष्य जब से जांच एजेंसियों के हाथ लगा है तब से जिले के रियल स्टेट कम्पनियों व मदरसे के लोगो की दिन का चौन और रातो की नींद हराम हो गयी है। यही वजह है कि कानून के घेरे से बचने के लिए कोई राजनीतिक जुगाड़ लगाने मे जुटा है तो कोई अपनी समाज सेवा का किस्सा प्रचारित कर जांच एजेंसियों के रडार से बचाना चाहता है। अब सवाल यह उठता है कि जाली नोट मामले मे जांच की जद में आने के बाद अपनी समाज सेवा का कार्य प्रसारित करने के पीछे राज क्या है? आम लोगों का मानना है कि इसके पीछे कही जांच एजेंसियों को भ्रमित करने का कोई उद्देश्य तो नही है। अनुमान चाहे जो भी हो जांच के बाद ही सच्चाई सामने आयेगी।बतादे कि सितम्बर माह के 23 तारीख को पुलिस अधीक्षक संतोष मिश्र के निर्देश पर कुशीनगर जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस ने संयुक्त आपरेशन के तहत जिले में जाली नोट कारोबार के गिरोह के खिलाफ बडी कार्रवाई करते हुए गिरोह के सरगना रफी अहमद सहित दस लोगो को गिरफ्तार कर तमकुहीराज कस्बा से जाली नोट व हथियारो का जखीरा बरामद किया था। दुसरे दिन जिले की पुलिस ने इस गिरोह के एक और सदस्य को मुठभेड में दबोच लिया। इस तरह इस मामले मे अब 11 अभियुक्त जेल जा चुके है। इसके बाद यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा मे आ गया है। मामला देश के अर्थ व्यवस्था से जुडे होने के कारण एटीएस और एनआईए प्रकरण की जांच शुरू कर दी। यही वजह है कि इस मामले में गृह मंत्रालय भी नजर जमाये हुए है। पुलिसिया जांच पड़ताल में इस बात का खुलासा हुआ कि इस गिरोह ने ज्यादातर नकली नोट जमीन की खरीद–फरोख्त में खपाया है। मामले की जांच मे जुटी स्थानीय पुलिस सहित एटीएस व एनआईए की टीमों को जाली नोटों के कारोबारियों द्वारा नकली नोटों के अवैध कारोबार से रियल स्टेट का एक बडा सिंडिकेट तैयार किये जाने का अहम सुराग हाथ लगा है। कहना ना होगा कि जांच टीम अपने हाथ लगी साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई करती है तो कुशीनगर, गोरखपुर सहित तमाम जगहो पर रियल स्टेट का कारोबार कर सडक से हवेली और साइकिल से लग्जरी वाहनों का सैर करने वाले लोगो की मुश्किलें बढ़ सकती है। सूत्रों की माने तो जांच एजेंसियों को इस गिरोह के तार नेपाल और सऊदी अरब से भी जुडे मिले है। इसके अलावा जांच एजेंसी के हाथ तमकुहीराज स्थित मदरसा गौसिया इमदादुल उलूम की संदिग्ध भूमिका का साक्ष्य भी मिला है। इसके पीछे वजह यह है कि नकली नोट मामले मे गिरफ्तार कर जेल भेजे गये गिरोह के रफी अहमद, नौशाद खान और हासिम अंसारी मदरसा के प्रबंधकीय कमेटी में शामिल है। सूत्र बताते है कि पिछले काफी दिनो से इस मदरसे में बाहरी लोगों का आवाजाही होता रहता है। रियल स्टेट कारोबार मे जाली नोटों के खपत होने की बात उजागर होने के बाद मीडिया ने कसया स्थित रेडहिल रियल स्टेट कम्पनी मालिक आलमगीर से बातचीत किया। आलमगीर ने कहा कि उन्हे अब तक न तो कोई नोटिस मिला है और न ही किसी ने कोई पूछताछ की है जबकि रेडहिल के मालिक आलमगीर पिछले तीन अक्टूबर को प्रकाशित खबर श्श जांच की जद मे रियल स्टेट कम्पनियां, मचा हडकंप श्श शीर्षक से प्रकाशित खबर मे अपना पक्ष देते हुए कहा था कि उनकी कम्पनी की जांच चल रही है, कानून पर पुरा भरोसा है। जाली नोटों के कारोबारियों से कोई लेना–देना नही है और न ही उनसे दूर – दूर तक कोई संपर्क और संबध है। इसी खबर मे उनके सहयोगी द्वारा खबर प्रकाशित करने नोटिस भेजवाने की धमकी दी गयी थी। अब सवाल यह है कि आखिरकार रेडहिल रियल स्टेट कम्पनी के सीएमडी आलमगीर दो तरह का बयान क्यो दे रहे है। जाली नोट प्रकरण से संबंधित स्थानीय पुलिस व जांच एजेंसियों द्वारा उनसे कोई पूछताछ नही की गयी और उन्हें कोई नोटिस नही मिला था तो उन्होने मीडिया से यह क्यो कहा कि जाच चल रही है कानून पर उन्हें पूरा भरोसा है। हालाकि इस संबंध में जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कोई संतुष्ट पूर्ण जबाब नही दिया बस इतना कहा कि हमे जानकारी नही था, लगा की हमारी कम्पनी की भी जांच चल रही है लेकिन जब पता किया तो ऐसा कुछ नही है। उन्होंने कहा हम कही से गलत नही है। हम कानून के साथ है और मेरा जो भी सहयोग होगा वह करेगे।

विभिन्न कालेजों, आवासीय हालों और स्कूलों में सर सैयद दिवस समारोह आयोजित

अलीगढ़,(यूएनएस)। सर सैयद दिवस, सर सैयद अहमद खान की जयंती अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के केंद्रों, कॉलेजों, आवासीय हॉल और स्कूलों में पारंपरिक उल्लास और जोश के साथ मनाई गई। एएमयू सेंटर मल्लापुरम, केरल में सर सैयद दिवस समारोह का उद्घाटन करते हुए, राज्यसभा सदस्य और एएमयू कोर्ट के सदस्यए. ए. रहीम ने समावेशी शिक्षा के एक प्रकाश स्तंभ के रूप में उनकी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए धर्मनिरपेक्षता और तर्कसंगत सोच के प्रति एएमयू की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उद्घाटन भाषण के बाद, जामिया मिलिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मोहम्मद शकील ने सर सैयद अहमद खान के इतिहास और योगदान पर एक भाषण दिया। उन्होंने उपस्थित लोगों से सर सैयद की विरासत को संरक्षित करने का आग्रह किया। मुख्य अतिथि सैय्यद मुनवराली शिहाब थंगल ने छात्रों से शिक्षा को बढ़ावा देकर सर सैयद अहमद खान के मिशन को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने मल्लापुरम में एएमयू सेंटर की स्थापना का भी जिक्र किया और मुसलमानों के उत्थान के लिए सर सैयद के प्रयासों और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विभिन्न पृष्ठभूमि के व्यक्तियों पर उनके व्यापक प्रभाव का उल्लेख किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में, केंद्र के निदेशक डॉ फैसल के.पी. ने परंपरा और आधुनिकता के बीच सामंजस्य स्थापित करने और विविधता में एकता के महान आदर्शों को बनाए रखने में समकालीन भारत में सर सैयद के महत्व पर प्रकाश डाला। सर सैयद की विरासत का जिक्र करते हुए उन्होंने छात्रों को याद दिलाया कि शिक्षा केवल ज्ञान का हस्तांतरण नहीं है, बल्कि ऐसे जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण है जो ईमानदारी, करुणा और साहस का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि एएमयू सेंटर, मल्लापुरम को इस शानदार विरासत का हिस्सा बनने पर गर्व है। अपनी स्थापना के बाद से, केंद्र सर सैयद के आदर्शों को बनाए रखने के लिए अथक प्रयास कर रहा है, अकादमिक उत्कृष्टता के लिए प्रयास कर रहा है, जबकि समावेशिता और आलोचनात्मक सोच की भावना को बढ़ावा दे रहा है। सर सैयद दिवस समारोह के महासचिव गालिब नश्तर ने सर सैयद के जीवन का अवलोकन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विधि विभाग की डॉ. नसीमा पी.के. ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सहायक रजिस्ट्रार मोहम्मद अहजम खान ने अतिथियों का स्वागत किया तथा उद्घाटन भाषण दिया। सर सैयद दिवस समारोह के संयुक्त संयोजक डॉ. मोहम्मद बशीर के. ने धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉ. ब्लेस्सिता कमरुद्धीन और सैयद अहमद साद ने कार्यक्रम का संचालन किया। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अब्दुल्ला हॉल ने सर सैयद अहमद खान की गहन विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सर सैयद दिवस मनाया। एएमयू की कुलपति प्रोफेसर नईमा खातून, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश की कुलपति कर्नल (प्रो.) नीलिमा गुप्ता और एएमयू के वीमेन्स कालिज के प्राचार्य प्रोफेसर मसूद अनवर अलवी ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मुख्य अतिथि प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने सभा को संबोधित करते हुए अलीगढ़ के साथ अपने लंबे जुड़ाव और विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में वर्तमान स्थिति तक के विकास पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर गुप्ता ने समग्र शिक्षा के महत्व के बारे में भावुकता से बात की और इस बात पर जोर दिया कि शैक्षणिक उत्कृष्टता को चरित्र निर्माण और सांस्कृतिक समृद्धि द्वारा पूरक होना चाहिए। उन्होंने अब्दुल्ला हॉल की छात्राओं को सर सैयद के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया, उनसे अपने समय का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने और शिक्षा के प्रति संतुलित दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया, जो ज्ञान, व्यक्तिगत विकास और सांस्कृतिक समझ को एकीकृत करता है। प्रो. गुप्ता ने चुनौतियों का सामना करने में लचीलापन, अनुकूलनशीलता और विश्वास पर जोर दिया, जो सर सैयद द्वारा अपने छात्रों में डाले गए मूल्यों की प्रतिध्वनि थी, जिसने उपस्थित सभी लोगों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा। इससे पूर्व स्वागत भाषण देते हुए, अब्दुल्ला हॉल की प्रोवोस्ट डॉ. गजाला नाहिद ने कहा कि सर सैयद की विरासत को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा सबसे शक्तिशाली साधन है। उन्होंने सम्मानित अतिथियों के प्रति अपनी हार्दिक प्रशंसा व्यक्त की, मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि का परिचय दिया और शिक्षा जगत में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। मेजबान उमाम फातिमा रिजवी और कामिनाह बेग ने अतिथियों का स्वागत किया। गजलों सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। फलक नाज ने सर सैयद के जीवन और विरासत पर एक ज्ञानवर्धक भाषण दिया। कार्यक्रम का समापन सुश्री अंशरा कैयूम के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। एएमयू के अहमदी स्कूल में सर सैयद की 207वीं जयंती मनाई गई, जिसमें एएमयू की कुलपति प्रो. नईमा खातून भी मौजूद थीं। उन्होंने छात्रों से बातचीत की और उनके प्रदर्शन की सराहना की, जिससे उनमें खुशी और उत्साह भर गया। 10 अक्टूबर से शुरू हुए सर सैयद सप्ताह समारोह के दौरान, स्कूल ने निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, स्पेलिंग बी, बैट बाजी, अंताक्षरी प्रतियोगिता, शॉट पुट, दौड़ और क्रिकेट मैच सहित विभिन्न साहित्यिक, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों की मेजबानी की। स्कूल की टीम ने स्वागत गीत और स्कूल गान प्रस्तुत किया। छात्रों ने 'हौसला' नामक एक विशेष नाटक और एक एक्शन गीत भी प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि, एएमयू के मनोविज्ञान विभाग की प्रो. रूमाना एन. सिद्दीकी ने सर सैयद अहमद खान के योगदान पर चर्चा की और स्कूल के विकास की प्रशंसा की। जे.एन. मेडिकल कॉलेज, एएमयू के पैथोलॉजी विभाग की प्रो. निशात अफरोज ने छात्रों के प्रदर्शन की प्रशंसा की। टीपीओ साद हमीद ने छात्राओं को प्रेरित किया। एएमयू के स्कूल शिक्षा निदेशक प्रो. असफर अली खान भी कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रिंसिपल डॉ. नायला राशिद ने सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया और उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया, जबकि कार्यवाहक उप–प्रधानाचार्य श्री एस. अहताशम अकबर ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इरम फातिमा और सुश्री नुदरत जहां ने कार्यक्रम का संचालन किया। एएमयू सिटी गर्ल्स हाई स्कूल में सर सैयद दिवस समारोह में कई आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए गए। युवा छात्रों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया, जबकि प्रधानाचार्य जावेद अख्तर ने मुख्य अतिथि के रूप में रिजवानुर रहमान और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. आबिद अली खान सहित सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया।

प्रयागराज में एनडीआरएफ ने बताया डूबने से कैसे बचें

महाकुंभ के मद्देनजर संगम तट पर मॉक ड्रिल, श्रद्धालुओं को आपदा प्रबंधन के बारे में बताया

प्रयागराज। महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर एनडीआरएफ की टीमों ने भी तैयारी तेज कर दी है। संगम स्नान के दौरान श्रद्धालुओं के डूबने के हालात में एनडीआरएफ अपनी तैयारियों को परख रही है। इसके लिए मॉक ड्रिल की जा जाने लगी है। साथ ही लोगों को जागरूक किया जा रहा है। हादसा होने पर क्या करें, बचाव कैसे करें, इसे लेकर जानकारी दी जा रही है। रविवार को प्रयागराज के संगम क्षेत्र में एनडीआरएफ ने स्ट्रेचर बनाना, फर्स्ट एड देना, सर्पदंश के समय उपचार देने के तौर तरीके बताए। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम (11–के) के निरीक्षक अनिल कुमार व उनकी टीम ने जगरूकता कार्यक्रम किया। श्रद्धालुओं का कैसे ध्यान रखें, सीपीआर देने की तकनीक, इंप्रोवाइज राफ्ट बनाने तकनीक व उपयोग तथा अस्पताल ले जाने से पूर्व चिकित्सा प्रदान करने आदि की जानकारी दी गई। दुर्घटना में घायल व्यक्ति को इंप्रोवाइज मेथड से एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाने के लिये स्ट्रेचर बनाना, फर्स्ट एड देना, सर्पदंश के समय उपचार देने के तरीके शामिल रहे। आपदा प्रबंधन जागरूकता अभियान के तहत आपदाओं से बचने व उसके नुकसान को कम करने के तरीके भी बताए गए। कार्यक्रम में जल पुलिस प्रभारी जनार्दन जल पुलिस बल के साथ तथा विभिन्न घाटों पर नाव चलाने वाले आम नागरिक उपस्थित रहे।

'फेफड़े को क्षतिग्रस्त कर सकती है सीओपीडी की बीमारी'

इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में वैज्ञानिक संगोष्ठी, डॉ. शुभम अग्रवाल ने दिया व्याख्यान

प्रयागराज। एएमए कन्वेंशन सेंटर के हॉल में रविवार को उपाध्यक्ष डॉ. त्रिभुवन सिंह की अध्यक्षता में वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. शुभम अग्रवाल ने ओपीडी, अस्पताल के साथ–साथ छुट्टी के बाद सीओपीडी की तीव्रता के प्रबंधन के लिए दृष्टिकोण पर अपना व्याख्यान दिया। डॉ. शुभम अग्रवाल ने बताया कि क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) एक आम फेफड़ों की बीमारी है जो वायु प्रवाह को बाधित करती है और सांस लेने में समस्या पैदा करती है। इसे कभी–कभी वातस्फीति या क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस भी कहा जाता है। सीओपीडी से पीड़ित लोगों के फेफड़े क्षतिग्रस्त हो सकते हैं या कफ से भर सकते हैं। लक्षणों में खांसी, कभी–कभी कफ के साथ, सांस लेने में कठिनाई, घरघराहट और थकान शामिल हैं। धूम्रपान और वायु प्रदूषण सीओपीडी के सबसे आम कारण हैं। सीओपीडी से पीड़ित लोगों को अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम अधिक होता है। सीओपीडी का इलाज संभव नहीं है, लेकिन धूम्रपान न करने, वायु प्रदूषण से बचने और टीके लगवाने से यह ठीक हो सकता है। इसका इलाज दवाओं, ऑक्सीजन और पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन से किया जा सकता है। सीओपीडी के लिए कई उपचार उपलब्ध हैं। सीओपीडी (क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) के उपचार में पुरानी बीमारी का इलाज और वर्तमान स्थिति का उपचार शामिल है। कभी–कभी गैर–आक्रामक वेंटिलेशन या वेंटिलेटरी सहायता तात्कालिक उद्देश्य पर्याप्त ऑक्सीजन और रक्त पीएच को सामान्य के करीब सुनिश्चित करना, वायुमार्ग की रुकावट को दूर करना और किसी भी कारण का इलाज करना है। अक्सर, इसका कारण अज्ञात होता है, हालांकि अधिकांश रोग बैक्टीरियल या वायरल संक्रमण के कारण होते हैं। जिन मरीजों की हालत ऑक्सीजन थेरेपी से बिगड़ती है उन्हें वेंटिलेटरी सहायता की आवश्यकता होती है। कई मरीज जिन्हें तबीयत खराब होने के बाद अस्पताल से छुट्टी मिलने पर पहली बार घर पर ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है, 30 दिनों के बाद सुधार होता है और अब ऑक्सीजन की आवश्यकता नहीं होती है। इसलिए, डिस्चार्ज के 60 से 90 दिन बाद घर पर ऑक्सीजन की आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 10720242025 दिनांक : 17.10.2024

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 15.11.2024 को 13:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.: 230	जेम बिड नं0 GEM/2024/B/5513731 Dated 17.10.2024
अनुमानित मूल्य (रु) : 52,55,568/-	बयाने की रकम (रु): 1,05,120/-
कार्यों का विवरण : वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/प्रथम/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के अर्न्तगत सहायक मण्डल इंजीनियर नैनी के आधीन वरिष्ठ खण्ड इंजीनियर मानिकपुर, शंकरगढ़ एवं वरिष्ठ खण्ड इंजीनियर नैनी-2 के लिए 9 टन क्षमता वाले 3 नं0 ट्रक वाहन की आपूर्ति का कार्य।	
कार्य समापन की अवधि : 02 साल	निविदा खुलने की तिथि : 15.11.2024
सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : सप्लाई आफ रोड वेहिकल्स आन हायरिंग बेसिस टू सेन्ट्रल/स्टेट गवर्नमेन्ट सेमी गवर्नमेन्ट बाडीज आफ सेन्ट्रल/स्टेट गवर्नमेन्ट एवं पब्लिक सेक्टर अन्डर टेकिंग आफ सेन्ट्रल/स्ट्रेट गवर्नमेन्ट	

नोट : 1. आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि को 13:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। 1822/24 (D)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

अधिसूचना

मुख्यालय, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, द्वारा पेंशन अदालत-2024 का आयोजन।

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार मुख्यालय, उत्तर मध्य रेलवे / प्रधान कार्यालय, प्रयागराज द्वारा दिनांक 15 दिसंबर 2024 को रविवार होने के कारण दिनांक-16.12.2024 सोमवार को पेंशन अदालत आयोजित की जायेगी। केवल उत्तर मध्य रेलवे / मुख्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारी / मृतक कर्मचारियों के आश्रित, यदि उन्हे सेवानिवृत्त देय या पेंशन से संबंधित कोई शिकायत है तो वे, अपने आवेदन की दो प्रतियां निम्न पते पर उपलब्ध करायें।

पता जिस पर आवेदन भेजना हैं।	आयोजन स्थल
सहायक कार्मिक अधिकारी/मुख्या. उत्तर मध्य रेलवे, जी, ब्लॉक, मन्दाकिनी परिसर, सूबेदारगंज, प्रयागराज, पिन संख्या 211015	अरावली सभागार, उत्तर मध्य रेलवे सूबेदारगंज, प्रयागराज

आवेदन का प्रारूप

1. आवेदक/ आवेदिका का नाम
2. पूर्व कर्मचारी का नाम
3. पदनाम एवं अंतिम कार्यस्थल
4. पूर्व कर्मचारी के साथ आवेदक /आवेदिका का सम्बन्ध
5. वर्तमान पता
6. सेवानिवृत्ति/मृत्यु की तिथि
7. सेवानिवृत्ति के प्रकार (सामान्य के सामान्य/स्वेच्छिक/अनिवार्य/मृत्यु)
8. पी.पी.ओ. संख्या (छायाप्रति संलग्न की जाए)
9. अंतिम वेतन एवं वेतनमान
10. शिकायतों का विस्तृत विवरण
11. मोबाईल नं0., 12.ईमेल आईडी

नोट- कृपया लिफाफे के उपर "पेंशन अदालत-2024" का उल्लेख करें।

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR 1824/24 (ADM)

25 सितंबर से 13 अक्टूबर तक मैसेज क्यों हुए डिलीट

प्रयागराज से लापता बीबीए छात्र का सुराग नहीं, मैसेंजर के मैसेज बन गए रहस्य

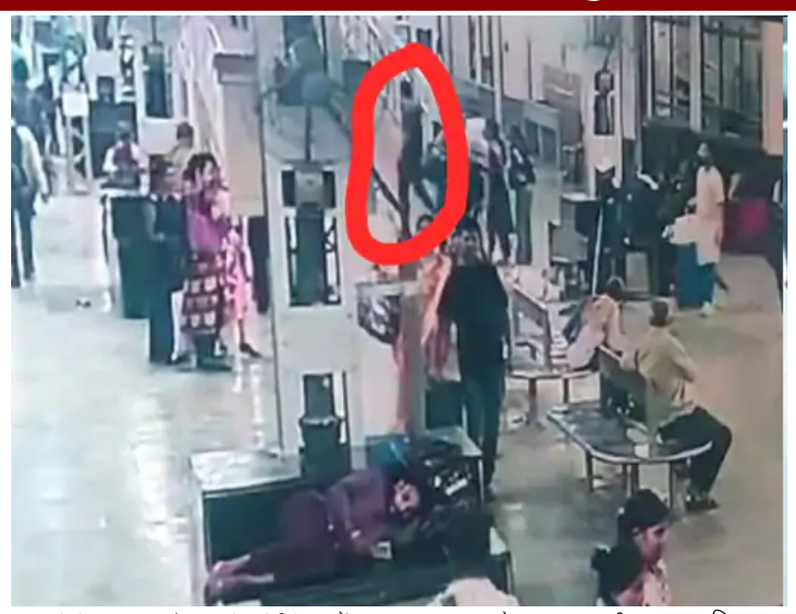

प्रयागराज। प्रयागराज से 13 अक्टूबर से लापता बीबीए छात्र मो. कैफ (18) का अब सुराग नहीं मिला। जैसे जैसे जांच आगे बढ़ रही है कई राज खुल रहे हैं। पहले तो सनसनीखेज मामला यह सामने आया कि लापता होने के बाद भी बीबीए छात्र की अटेंडेंस यूनाइटेट यूनिवर्सिटी में लगती रही। अब मोबाइल की जांच से एक नई बात सामने आई है। कैफ घर से निकलने के पहले अपना मोबाइल छोड़ गया था। मोबाइल की जांच से साफ हुआ है कि 25 सितंबर से लेकर 13 अक्टूबर यानि जिस दिन छात्र अपने घर से गया उसके मोबाइल के मैसेंजर से सारे मैसेज डिलीट हो चुके थे।

मैसेज बाक्स से 18 दिनों के मैसेज को पूरी तरह डिलीट किया गया। कैफ के घरवाले अब मैसेजों को लेकर परेशान हैं। माना जा रहा है कि छात्र ने घर छोड़ने से पहले 13 अक्टूबर तक के मैसेजों को खुद डिलीट कर दिया था। अब उन मैसेजों में ऐसा क्या था जिसे छात्र ने डिलीट किया यह रहस्य बना हुआ है।

छात्र के घरवालों से बातचीत कर पुलिस ने कैफ के मोबाइल की कॉल हिस्ट्री, सीडीआर निकलवाई है। अब पुलिस की जांच उसी के सहारे आगे बढ़ रही है।

जानिये कैसे लगती रही लापता छात्र की अटेंडेंस

सबसे हैरत की बात तो यह है कि कैफ झलवा स्थित यूनाइटेट यूनिवर्सिटी का छात्र है। 13 अक्टूबर की रात से वह लापता है। प्रयागराज से लेकर देहरादून तक उसकी तलाश चल रही है। यूनिवर्सिटी के साथी छात्र–छात्राएं उसके लिए कैंपेन चला रहे हैं जबकि यूनिवर्सिटी में बीबीए छात्र की अटेंडेंस लग रही है। यह अजीब है।

बीबीए छात्र कैफ यूनिवर्सिटी नहीं जा रहा है लेकिन अटेंडेंस रजिस्टर पर उसकी हाजिरी कौन लगा रहा यह कहानी अजीब है। 14 अक्टूबर, 15 अक्टूबर को कैफ की फुल अटेंडेंस लगी है। जबकि 16 अक्टूबर को फस्ट लेक्चर में उसकी अटेंडेंट लगी है।

छात्रों से पूछताछ, खड़े हुए सवाल

इसे लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। शुक्रवार को कैफ के परिवार वाले साथी छात्रों से बातचीत करने पहुंचे तो यह मामला सामने आया। इसके बाद घरवालों ने ऐतराज जताया परिवार वालों ने यूनिवर्सिटी प्रबंधन से शिकायत किया तो हंगामा मचा। अब जांच हो रही है कि आखिर लापता छात्र की अटेंडेंस कैसे लग रही है।

छात्र के घरवालों ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर जांच तेज कर करने की मांग की है। छात्र के पिता और मामा हर संभावित जगहों पर उसे तलाशने पहुंच रहे हैं। होटलो में जाकर पूछताछ के बाद साथ ही एक दो दरगाहों पर जाकर पूछताछ की गई।

छात्र का सुराग न मिलने से परिवार वाले परेशान हैं। हर नाते रिश्तेदारों के यहां उसकी तलाश की जा रही है। परिवार वालों ने कैफ के मोबाइल की जांच की मांग की है।

जानिये क्या है बीबीए छात्र के लापता होने का पूरा मामला

आर्मी से रिटायर्ड मो. शाहिद उस्मानी परिवार के साथ धूमनगंज थाना क्षेत्र के कालिंदीपुर में मौसम विहार कॉलोनी में रहते हैं। उनका बड़ा बेटा मद्रास कॉलेज से एमटेक कर रहा है। छोटा बेटा मो. कैफ उस्मानी प्रयागराज में यूनाइटेड मेडिकल कॉलेज कैंपस की यूनाइटेड यूनिवर्सिटी में बीबीए फस्ट ईयर का छात्र है।

13 अक्टूबर की रात 8 बजे कैफ मां से बोलता है कि वह खाने के लिए कुछ नमकीन लेकर आता है। लोवर टीशर्ट में कैफ घर से बाहर निकल जाता है।

वह अपना मोबाइल भी छोड़ जाता है। रात नौ बजे तक वह नहीं लौटता तो परिवार तलाश करता है। पूरी रात न लौटने पर दोस्त, रिश्तेदारों को फोन किया जाता है। इसके बाद सीसीटीवी कैमरे खंगाले जाने लीगते हैं।

उसी रात 8.38 पर वह सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन के बाहर लगे कैमरे में नजर आता है। इसके बाद वह रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर लगे कैमरों में दिखता है। तब देहरादून जाने वाली लिंक एक्सप्रेस खड़ी रहती है। कैफ ट्रेन में चढ़ता तो नहीं दिखता लेकिन ट्रेन के रवाना हो जाने के बाद प्लेटफार्म पर वह भी नजर नहीं आता।

हरिद्वार से लेकर देहरादून तक तलाशा

लिंक एक्सप्रेस ट्रेन देहरादून जाती है। परिवार वहां तक तलाश करता है। रास्ते के स्टेशन लखसर, हरिद्वार, कांठ, मुरादाबाद, धामपुर आदि स्टेशनों पर तलाश होती है लेकिन वह नहीं मिलता। जीआरपी से संपर्क किया जाता था तो कोई हादसा, ट्रेन से गिरने आदि के मामले सामने नहीं आते।

पिता बोले कोई दुश्नमनी नहीं, डिप्रेशन में नहीं था

पिता मो. शाहिद उस्मानी बेटे के लापता होने पर भटक रहे हैं। वह कहते हैं कि कैफ बहुत ही सीधा है। उसकी या परिवार कि किसी से कोई दुश्मनी नहीं है।

वह घर से रुपये लेकर नहीं निकला। न कभी किसी लड़की से लव जैसा मामला सामने आया। कोई लड़का भागेगा तो मोबाइल, कपड़े, रुपये तो लेकर जाएगा ही।

कॉलेज के दोस्तों से पूछताछ हुई तो उन सबने कहा कि वह पढ़ाई में अच्छा है। कॉलेज में भी किसी से विवाद, छात्रा से कोई बात का मामला सामने नहीं आया।

मामा अनीस बताते हैं कि कॉलेज से लेकर सभी रेलवे स्टेशन पर जानकारी जुटा चुके हैं। वह डिप्रेशन में नहीं था। न ही किसी से उधार कर्ज लिए हुए था। उसे किसी चीज की लत नहीं थी।

रो रही मां, सोशल मीडिया पर कर रही अपील

कैफ की मां शहनाज खातून का बुरा हाल है। वह वीडियो जारी कर छोटे बेटे कैफ के लिए अपील कर रही हैं। मां वीडियो में बोल रही हैं कि बेटा जहां भी हो एक मिस कॉल कर दो। घर के किसी शख्स के पास कॉल कर दो हम तुम्हें लेने आ जाएंगे। आखिरी बार कैफ मां से बातचीत कर ही घर से निकला था। वह बोल रही हैं कि ट्रेन से जाता तो कुछ रुपये तो मांग लेता।

पुलिस बोली जांच हो रही रू इंस्पेक्टर धूमनगंज अमरनाथ राय का कहना है कि गुमशुदगी दर्ज कर जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज निकलवाए गए हैं। वह अकेला ही जाते नजर आ रहा है। पूछताछ की जा रही है।

महाकुंभ में टेंट सिटी पर्यटकों को देगी अलग अनुभव

पर्यटन विभाग की तरफ से अरैल और झूंसी में तैयार होगी टेंट सिटी

प्रयागराज। प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ को दिव्य और भव्य बनाने के लिए हर कोई अपने स्तर से काम करने में जुटा है। ऐसे में पर्यटन विभाग अरैल और झूंसी में लोगों के मेला में रहने के लिए विशेषरूप से टेंट सिटी का निर्माण विभिन्न निजी संस्थाओं की तरफ से करा रहा है।

यूपी टूरिज्म निगम की तरफ से इस बार महाकुंभ में 200–200 टेंट की सिटी अलग से बसाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए विभाग की तरफ से छह निजी संस्थाओं को काम सौंपा जाना है।

55 बनेंगे स्थाई टेंट

यूपी टूरिज्म निगम की तरफ से इस बार 55 स्थाई टेंट बनाने की तैयारी हे। इसके लिए प्रोसेस शुरू हो गया है। इस काम को पूरा करने के लिए दिसंबर तक का समय दिया गया है। जिससे मेला शुरू होने के पहले इसका निर्माण काम पूरा किया जा सके।

स्थाई टेंट सिटी में लोगों की जरूरत की सभी सुविधाएं मौजूद रहेगी। जिससे उनको किसी होटल जैसा अनुभव हो सके और रहने में किसी तरह की समस्या ना हो। होटल इलावर्त के महाप्रबंधक डीपी सिंह ने बताया कि इसके लिए सभी काम तेजी से पूरे कराए जा रहे हैं। इस बार महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालु स्थाई टेंट सिटी का अनुभव ले सकेंगे।

इसमें करीब 60 दिनों तक दो हजार बेड की व्यवस्था होगी

महाकुंभ को भव्य और दिव्य बनाने के लिए प्रत्येक विभाग ने कमर कसना शुरू कर दिया है। मेले में देश –विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को ठहराने के साथ ही सुव्यवस्थित तरीके से उनके स्नान, ध्यान के इंतजाम करने की तैयारी की जाएगी। इसके लिए पर्यटन विभाग ने अरैल में 100 हेक्टेयर में टेंट सिटी सजाने की तैयारी की है। इसमें करीब 60 दिनों तक दो हजार बेड की व्यवस्था होगी। टेंट सिटी के लिए कुंभ मेला प्राधिकरण अरैल में 100 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराएगा। पर्यटन विभाग की तरफ से तैयार कराए जा रहे टेंट सिटी के लिए जमीन को समतली करने की प्रकिया शुरू हो गई है।

प्रयागराज के फूलपुर में बेरिकेडिंग लगी, वाहनों की तलाशी शुरू

प्रयागराज। प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को वोटिंग होगी। उपचुनाव को लेकर प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस ने अभी से सख्ती शुरू कर दी है। चुनाव शांतिपूर्ण हो इसके लिए पुलिस ने फूलपुर क्षेत्र से सटी सीमाओं पर बैरिकेडिंग, चेक प्वाइंट तैयार कर वाहनों की तलाशी शुरू कर दी है। 19 बैरियर के जरिये पुलिस आने जाने वालों की निगरानी कर रही है। प्रयागराज शहर से के अलावा गंगापार के अन्य क्षेत्रों से जोड़ने वाले मार्गों पर बैरियर लगाकर जांच की जा रही है। वाराणसी, जौनपुर, भदोही, प्रतापगढ़ लिंक मार्ग पर बैरिकेडिंग लगाकर बाहर से आने वाले वाहनों की तलाशी और पूछताछ हो रही है। पुलिस का मानना है कि अभी मतदान की तैयारियां शुरू हुईं हैं, ऐसे में शरारती तत्व रुपये आदि की खेप फूलपुर में पहले से पहुंचा सकते हैं। पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा के निर्देश डीसीपी गंगापार टीमों के साथ फूलपुर उपचुनाव की सुरक्षा तैयारियों पर काम कर रहे हैं। शहर से फूलपुर को जोड़ने वाले इलाकों के लिए डीसीपी सिटी अभिषेक भारती ने निर्देश दिए हैं। चुनाव प्रभावित करने वाले संदिग्धों की सूची तैयार होने लगी है। माफिया, अपराधी, वांछित, उपद्रवी तत्व चुनाव में हंगामा, बवाल न करें इसे लेकर कार्रवाई शुरू हो गई है। डीसीपी के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने हिस्ट्रीशीटरों, फरार बदमाशों के यहां छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस ने लोकसभा चुनाव की तर्ज पर तैयार सूची में से करीब 1200 लोगों को पाबंद किए जाने का नोटिस जारी कर दिया है। इन सबके खिलाफ शांतिभंग की आशंका के तहत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अभी और लोगों को नोटिस जारी की जाएगी। शांतिभंग –107ध्16 की नोटिस, चालान मिलने के बाद हर जमानत कराना होगा। माना गया कि जो चिन्हित हो रहे हैं उनसे मतदान के दौरान शांति व्यवस्था को खतरा हो सकता है। इसके साथ ही कमिश्नरेट पुलिस फूलपुर चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक दलों से जुड़े लोग, पार्षद, पूर्व पार्षद, प्रधान, पूर्व प्रधान, संगठन चलाने वाले, कमेटियों का संचालन करने वाले, मुस्लिम तंजीमों के लोगों की सूची तैयार की जा रही है। ये ऐसे लोग हैं जिन पर कई कई केस पहले से हैं। साथ ही यह लोग पिछले चुनावों में कहीं न कहीं विवादों में रहे। फूलपुर चुनाव की तैयारी के लिए पुलिस पूरे क्षेत्र को 4 जोन और 34 सेक्टरों में बांट कर सुरक्षा का खाका तैयार कर रही है।

निजी अस्पतालों में बनेंगे 'महाकुंभ स्पेशल वार्ड'

प्रयागराज। प्रयागराज में श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। देश–दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं की सेहत का विशेष ख्याल रखा जाएगा। इसके लिए शासन व प्रशासन के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग तैयारियों में जुटा है।

सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है लेकिन प्राइवेट अस्पताल भी श्रद्धालुओं के इलाज के लिए खुले रहेंगे। पूरे मेला अवधि तक प्राइवेट नर्सिंग होम व प्राइवेट अस्पतालों में 25% बेड सिर्फ श्रद्धालुओं के लिए रिजर्व रखे जाएंगे।

इसके साथ ही पड़ने वाले प्रमुख स्नान पर्वों के दिन में 50% बेड रिजर्व रखने की बात हो रही है। अस्पताल में अलग वार्ड निर्धारित रहेगा, जिस पर लिखा होगा 'महाकुंभ स्पेशल वार्ड'। ऐसे सभी प्राइवेट अस्पतालों की सूची बनाई जा रही है।

शहर के बड़े अस्पतालों को किया गया शामिल

सीएमओ डॉ. आशु पांडेय ने बताया कि शहर के उन बड़े निजी अस्पतालों की सूची बनाई जा रही है जो मेला क्षेत्र के आसपास में

संचालित हो रहे हैं। इसकी पूरी सूची तैयार की जा रही है। मेला क्षेत्र में तो स्वास्थ्य सेवाएं तो संचालित होती रहेंगी।

लेकिन मेले में किसी भी आपातकाल की स्थिति में यदि श्रद्धालुओं को शहर से बाहर अस्पताल ले जाने की जरूरत पड़ती है तो तत्काल चिह्नित बड़े प्राइवेट अस्पताल में पहुंचाया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए रियायत दरों पर इलाज की सुविधा दी जाएगी।

2 दिन पहले ही सीएमओ व डीएम ने निजी अस्पताल के डॉक्टरों के साथ इस संबंध में बातचीत भी की थी। इस पर निजी अस्पताल संचालक व डॉक्टरों ने पूरा सहयोग किया है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशु पांडेय ने बताया कि महाकुंभ के लिए प्रयागराज के 8 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का कायाकल्प होना है। इसमें कोटवा एट बनी, हंडिया, फूलपुर, कौड़िहार, सोरांव, जसरा, सैदाबाद सीएचसी शामिल है।

इसके अलावा दारागंज, अरैल, झूंसी, श्रृंग्वेरपुर व दारागंज पीएचसी शामिल हैं।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062